कोटद्वार, शनिवार
29 जून 2024
वर्षः 46
अंकः 66 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

मुख्यमंत्री बदरीनाथ क्षेत्र में करेंगे जनसभा

चमोली : बदरीनाथ विधानसभा उप चुनाव में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शीघ्र ही विभिन्न स्थानों पर चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और राज्य सभा सांसद महेंद्र भट्ट ने शुक्रवार बताया कि मुख्यमंत्री के अलावा कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत और वे स्वयं शामिल रहेंगे। फोन पर उन्होंने बताया कि भाजपा उपचुनाव प्रचार और जनसम्पर्क में कोई कोर कसर नहीं रखना चाहती है। भाजपा प्रत्याशी के नामांकन के बाद जिला मुख्यालय गोपेश्वर में आयोजित जनसभा में भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल हुए थे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा मुख्यमंत्री धामी की बदरीनाथ विधानसभा क्षेत्र में होने वाली जनसभाओं की तैयारी की जा रही है। चमोली के प्रभारी मंत्री डॉ. धन सिंह रावत पिछले एक सप्ताह से बदरीनाथ विधानसभा क्षेत्र के गांवों, नगरों में डेरा डालकर चुनाव प्रचार और जन सम्पर्क में जुटे है। भाजपा के तीन विधायक, राज्य मंत्री, चुनाव प्रभारी, प्रत्याशी राजेन्द्र भंडारी भी लगातार जनसम्पर्क और बैठकों में शामिल हो रहे हैं। (एजेंसी)

केदारनाथ धाम में खराब हो रहा मौसम, यात्री परेशान

रूद्रप्रयाग : उत्तराखंड में मानसून की दस्तक के साथ ही केदारनाथ धाम में मौसम दिनभर खराब हो रहा है। सुबह 9 बजे तक यहां मौसम साफ है, इसके बाद शाम 4 बजे तक कोहरा लगा है। जबकि फिर इसके बाद मौसम साफ हो रहा है। ऐसे में यात्रियों को मुश्किलें भी उठानी पड़ रही है।

बीते कई दिनों से केदारनाथ में बारिश और कोहरा लगने का सिलसिला जारी है। हालांकि केदारनाथ के मौसम को लेकर ज्यादा कुछ कहा नहीं जा सकता है। बरसात के सीजन में ज्यादा दिक्कतें पेश आती है। एक ओर पैदल मार्ग पर बारिश में भूस्खलन और पत्थर गिरने का भय बना रहता है वहीं चारों ओर कोहरा लगने के कारण यात्रियों को परेशानियां भी उठानी पड़ रही है। बीते कई दिनों से केदारनाथ में सुबह 9 बजे तक मौसम ठीक है किंतु इसके बाद केदारपुरी के चारों ओर बादल घिर रहे हैं और वर्षा होते ही कोहरा भी लग रहा है। ऐसे में आवाजाही में यात्रियों को दिक्कतें हो रही है। (एजेंसी)

किशोरी गैंगरेप–हत्या मामलाः प्रेमी का पिता भी गिरफ्तार

हरिद्वार। गैंगरेप के बाद किशोरी की हत्या कर देने के आरोपी प्रेमी अमित सैनी के पिता मदन पाल सैनी को भी शुक्रवार को बहदराबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पिता पर आपराधिक षडयंत्र में शामिल होने का आरोप है जबकि फरार चल रहे ग्राम प्रधानपति आदित्यराज सैनी, प्रेमी की बहन रुबी की तलाश में पुलिस टीमें जगह–जगह दबिश दे रही हैं। एहतियात के तौर पर गांव में पीएसी, पुलिस फोर्स पूरी तरह से मुस्तैदी बरत रही है। गुरुवार को बहादराबाद क्षेत्र में राजमार्ग पर खून से लथपथ मिले किशोरी के शव की गुत्थी सुलझाते हुए छह आरोपियों की गिरफ्तारी की थी। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने जानकारी दी थी कि किशोरी को बीयर पिलाकर दो युवकों ने गैंगरेप किया था जबकि दो दोस्त आवाजाही होने के कारण रेप नहीं कर सके थे। इसके बाद अपने प्रेमी अमित सैनी के घर पहुंची किशोरी के साथ प्रेमी ने भी रेप किया था। किशोरी ने जब गैंगरेप की बाबत प्रेमी को बताते हुए मदद की गुहार लगाई थी तब झल्लाए प्रेमी, उसके परिजनों ने किशोरी की बेरहमी से पिटाई कर दी थी। घायल किशोरी को प्रेमी अमित सैनी ने राजमार्ग पर ले जाकर एक चौपहिया वाहन के आगे धक्का देकर हत्या कर दी थी।

इस पूरे प्रकरण की जानकारी ग्राम प्रधानपति आदित्यराज सैनी को भी थी, लेकिन उसने पूरे मामले पर पर्दा डाले रखा था। पुलिस ने गैंगरेप के चार आरोपी, प्रेमी, उसकी मां को गिरफ्तार कर लिया था जबकि पिता, बहन और ग्राम प्रधानपति फरार चल रहे थे। एसओ नरेश राठौड़ ने बताया कि प्रेमी अमित सैनी के पिता मदन सैनी को क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। बताया कि पिता पर पुत्र का सहयोग करने का आरोप है। बताया कि फरार चल रही बहन और ग्राम प्रधानपति की तलाश में पुलिस जुटी है। एसओ ने आमजन से अपील करते हुए अफवाह पर ध्यान न देने की अपील करते हुए कहा कि गांव में पुलिस फोर्स पूरी तरह से चौकसी बनाए हुए हैं।

कांग्रेस ने लगाया संसद में राहुल गांधी की माइक बंद करने का आरोप

● स्पीकर बोले– हमारे पास नहीं है कोई बटन

नीट मामले में संसद में हंगामा, राहुल गांधी बोले–देश के युवा घबराए, प्रधान बोले– हम जवाब देने को तैयार

नई दिल्ली ,। नीट पेपर लीक मामले में पूरे देश में सियासत गरमाई हुई है। सडक पर हंगामा और संसद में संग्राम जारी है। आज संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई। लोकसभा में चर्चा के पहले ही विपक्ष ने नीट को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद निचले सदन की कार्यवाही सोमवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष पर चर्चा की मांग को लेकर स्थगन प्रस्ताव लाया था। लोकसभा स्पीकर ने कहा कि नियमों के मुताबिक राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद के बीच स्थगन प्रस्ताव नही लाया जाता। उधर, संसद में जाने से पहले राहुल गांधी ने कहा, ह्यमैं पीएम से रिक्वेस्ट करता हूं कि हृश्वश्वञ्ज मामले पर रिस्पेक्टफुली चर्चा करें। देश के युवा घबराए हुए हैं। उन्हें नहीं पता क्या होने वाला है।

नई दिल्ली ,। नीट पेपर लीक के मुद्दे को लेकर शुक्रवार को संसद में भारी हंगामा देखने को मिला। इसी बीच कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया है कि लोकसभा में नीट पेपर लीक पर चर्चा की मांग करने के दौरान राहुल गांधी की माइक बंद कर दी गई।

कांग्रेस ने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, जहां एक ओर पीएम नरेंद्र मोदी नीट पर कुछ नहीं बोल रहे, उस वक्त विपक्ष के नेता राहुल गांधी युवाओं की आवाज सदन में उठा रहे हैं। लेकिन, ऐसे गंभीर मुद्दे पर माइक बंद करने जैसी ओछी हरकत कर युवाओं की आवाज को दबाने की साजिश की जा रही है।

कांग्रेस द्वारा शेयर किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि राहुल गांधी लोकसभा में अपनी बात रख रहे थे कि अचानक से उनकी माइक बंद की गई या फिर आवाज नहीं आई। जिसके बाद विपक्षी दलों के नेता माइक–माइक बोलने लगे। इस पर स्पीकर कहते हैं कि

मैं माइक बंद नहीं करता हूं, यहां कोई बटन नहीं है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान स्थगन प्रस्ताव के नोटिस नहीं लिए जाते। उन्होंने राहुल गांधी से संसदीय व्यवस्था का पालन करने का आग्रह करते हुए कहा कि आप विपक्ष के नेता हैं और इसलिए आप संसदीय व्यवस्था का पालन करेंगे, ऐसी अपेक्षा है।

राहुल गांधी कहते हैं कि हम विपक्ष और सरकार की ओर से हिंदुस्तान के छात्रों को एक संयुक्त संदेश देना चाहते थे कि हम इस मुद्दे को जरूरी मानते हैं। इसलिए, हमने सोचा कि छात्रों के सम्मान के लिए हम आज नीट पर चर्चा करेंगे। इसके बाद राहुल गांधी की माइक से आवाज नहीं आती है, जिसको लेकर विपक्षी नेता हंगामा करने लगते हैं।

स्वाला में पहाड़ी से भू–स्खलन, सैकड़ों वाहन फंसे

चम्पावत। हल्की बारिश के बाद एक बार फिर स्वाला की पहाड़ी दरक गई। इससे सुबह के समय सैकड़ों वाहन एनएच में फंस गए। एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद एनएच को यातायात के लिए खोला गया। स्वाला के पास लगातार मलबा गिरने का सिलसिला जारी है। शुक्रवार सुबह पांच बजे पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर गिर गया। इस वजह से मैदान का पहाड़ से संपर्क कटा रहा। मौके पर तैनात बुलडोजर से मलबा हटाने का कार्य शुरू किया गया। इस दौरान डेढ़ सौ से अधिक वाहन एनएच में जाम से फंसे रहे। मलबा हटाने के दौरान लगातार ऊपर से मिट्टी व पत्थर गिरते रहे। इससे यातायात खुलने में समय लग गया। जिला आपदा नियंत्रण कक्ष के मुताबिक एक घंटे बाद छह बजे स्वाला के पास सड़क से मलबा साइड किया जा सका। इसके बाद वाहनों का आवागमन शुरू हुआ। स्वाला के डेंजर स्पॉट ने शुरुआती मानसून सीजन से ही लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। लोगों ने शीघ्र स्वाला में आधुनिक तकनीकि से ट्रीटमेंट करने की मांग की है। ताकि यात्रियों को सुगम सफर का लाभ मिल सके।

आईटीबीपी महानिरीक्षक संजय गुंज्याल ने की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी से भेंट

देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी से शुक्रवार को सचिवालय में आईटीबीपी महानिरीक्षक संजय गुंज्याल ने मुलाकात की। आईजी संजय गुंज्याल ने सीएस राधा रतूड़ी को बॉर्डर आउटपोस्ट की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने सीमांत जनपदों पिथौरागढ़, उत्तरकाशी और चमोली के जिलाधिकारियों से शीघ्र अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने का अनुरोध किया ताकि वन भूमि हस्तांतरण के प्रकरणों का त्वरित निस्तारण हो सके। मुख्य सचिव ने आइटीबीपी को राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। सीएस रतूड़ी के आग्रह पर आईटीबीपी के चिकित्सकों द्वारा बॉर्डर के ग्रामों में निवासरत स्थानीय नागरिकों को स्वास्थ्य चिकित्सा सुविधा देने पर सहमति बनी। बैठक में विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को स्वास्थ्य सुविधाएं देने तथा टेलीमेडिसिन के माध्यम से दुर्गम इलाकों को हेल्थ केयर से जोड़ने पर चर्चा की गई। आईजी संजय गुंज्याल ने जानकारी दी कि आईटीबीपी स्थानीय किसानों से प्रोक्योरमेंट करने का भी प्रयास कर रही है।

इजरायल पर लेबनान से दागे गए 35 रॉकेट, कोई जनहानि नहीं

इजरायल , इजरायली सेना ने एक बयान में कहा, इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) की हवाई रक्षा प्रणाली ने अधिकांश मिसाइलों को सफलतापूर्वक रोक दिया। देश की मैगन डेविड एडोम बचाव सेवा के अनुसार, किसी की मौत या घायल होने की सूचना नहीं है। मेरोम हागलिल क्षेत्रीय परिषद ने एक बयान में कहा कि एक मिसाइल एक घर पर गिरा। अग्निशमन और बचाव प्राधिकरण ने बताया कि कई जगहों पर आग लग गई और बिजली गुल होने के कारण लोग लिफ्ट में फंस गए। इस बीच,लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने एक बयान में कहा कि उसने दक्षिणी लेबनान के नबातिह शहर और पूर्वी लेबनान के सोहमोर शहर पर एक दिन पहले हुए इजरायली हमलों के जवाब में सफ़ेद में इजरायली हवाई अड्डे पर रॉकेट से हमला किया है।

युवती की डंपर की चपेट में आने से मौत

● पुलिस ने डंपर और बाईक को लिया कब्जे में, युवती के भाई ने दी डंपर चालक के खिलाफ तहरीर

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पौड़ी-कोटद्वार नेशनल हाईव पर छतरीधार के पास शुक्रवार को सुबह डंपर की चपेट में आ जाने से एक युवती की मौत हो गई। पुलिस ने डंपर और बाईक को कब्जे में ले लिया है। युवती बाईक में पीछे बैठी थी। मामले में युवती के भाई ने पुलिस को तहरीर देते आरोप लगाया कि डंपर चालक के लापरवाही से वाहन चलाने के कारण यह हादसा हुआ है। पुलिस आवश्यक कानूनी कार्यवाही कर रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से कोतवाली पौड़ी के प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि बाईक सवार के ब्रेक लेते ही पीछे बैठी 20 वर्षीय पार्वती पुत्री यशवंत सिंह निवासी गाड़ का मरगांव परसुंडाखाल अनियंत्रित होकर डंपर के पिछले टायर की चपेट में आ गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवती को 108 सेवा की मदद से जिला अस्पताल पौड़ी पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। कोतवाल ने बताया कि युवती अपने घर से कंप्यूटर करने के लिए पौड़ी आ रही थी और शुक्रवार को बाईक सवार से उसने पौड़ी आने के लिए लिफ्ट ली थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। वहीं, इस मामले में युवती के भाई आशीष रावत ने पुलिस को तहरीर दी है जिसमें डंपर चालक पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई करने की बात कही है। हादसे के बाद युवती के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया है कि तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। फिलहाल डंपर और बाईक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

डिप्टी एनएसए विक्रम मिस्री होंगे अगले विदेश सचिव, सरकार ने जारी किया आदेश

नई दिल्ली , राष्ट्रीय उप सुरक्षा सलाहकार और भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के वरिष्ठ अधिकारी विक्रम मिस्री विदेश मंत्रालय के अगले सचिव होंगे। वह निवर्तमान विदेश सचिव विनय क्वात्रा का स्थान लेंगे। मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्णय के अनुसार क्वात्रा का विस्तारित कार्यकाल 14 जुलाई को समाप्त हो जायेगा और उसके बाद मिस्री विदेश मंत्रालय में विदेश सचिव की जिम्मेदारी संभालेंगे। कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के शुक्रवार को जारी एक अधिशासी आदेश के अनुसार मिस्री की नियुक्त 15 जुलाई से प्रभावी होगी। सरकार ने क्वात्रा (आईएफएस 1988) को 12 मार्च को विदेश सचिव के पद पर 30 अप्रैल 2024 से आगे की अवधि के लिए सेवा विस्तार दिया था। सरकार ने उस आदेश में संशोधन करते हुए उनकी विस्तार की अवधि को 14 जुलाई तक सीमित किया है। आईएफएस 1989 बैच के अधिकारी मिस्री एक जनवरी 2022 से राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में राष्ट्रीय उपसलाहकार के पद पर कार्यरत थे। सात नबंबर 1964 को जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में हिन्दू परिवार में जन्मे मिस्री दिल्ली के हिन्दू कॉलेज से स्नातक और जमशेदपुर से जेवियर प्रबंधन संस्थान से एमबीए हैं। वह तीन प्रधानमंत्रियों इंद्रकुमार गुजराल, मनमोहन सिंह और नरेन्द्र मोदी के निजी सचिव के रूप में और चीन, स्पेन और म्यांमार में भारतीय राजदूत के रूप में भी सेवा चुके हैं। मिस्री को 2019 में बीजिंग में राजदूत नियुक्त किया गया था।

मुख्यमंत्री धामी ने की केंद्रीय संचार मंत्री से भेंट, राज्य में संचार सेवाओं के विस्तार से संबंधित विभिन्न विषयों पर की चर्चा

राज्य सरकार द्वारा 481 टावरों की स्थापना के लिये भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही की गई है पूर्ण

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया से भेंट कर उन्हें संचार मंत्रालय का दायित्व मिलने पर शुभकामनाएं दी तथा राज्य में संचार सेवाओं के विस्तार से संबंधित विभिन्न विषयों पर उनसे चर्चा की। मुख्यमंत्री ने राज्य में संचार व्यवस्था से वंचित क्षेत्रों में भी टावर लगाकर संचार व्यवस्था से आच्छादित किए जाने तथा पिथौरागढ़ के सीमांत क्षेत्र के गांवों में संचार सुविधाओं के विस्तार तथा रिलाइन्स जिओ द्वारा गुंजी में लगाये गये टावर को संचालित कराये जाने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय संचार मंत्री को अवगत कराया कि नैनीताल के तल्लीताल स्थित डाकघर को नैनीताल की यातायात समस्या के समाधान हेतु अन्यत्र शिफ्ट किया जाना जनहित में आवश्यक हो गया है। जनपद नैनीताल में प्रतिदिन श्रद्धालुओं और पर्यटकों की बढ़ती संख्या तथा विश्व प्रसिद्ध बाबा नीम करौली महाराज का आश्रम श्री कैंची धाम की प्रसिद्धि में दिन–प्रतिदिन वृद्धि होने के कारण श्रद्धालुओं के साथ–साथ नैनीताल में पर्यटकों की संख्या में अत्यधिक बढोत्तरी हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नैनीताल को यातायात समस्या के निवारण हेतु पूर्व में आईआईटी, दिल्ली द्वारा नैनीताल की ट्रैफिक व्यवस्था के लिए किये गये विस्तृत अध्ययन एवम् सुझावों के आधार पर तकनीकी टीम तथा सड़क सुरक्षा समिति द्वारा नैनीताल के मुख्य चौराहे पर स्थित पोस्ट ऑफिस को जाम की समस्या का प्रमुख कारण माना है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय संचार मंत्री से नैनीताल शहर में जाम से मुक्ति तथा यातायात व्यवस्था को सुदृढ करने के लिये नैनीताल नगर के मुख्य चौराहे पर स्थित डाकघर को अन्यत्र शिफ्ट किये जाने की अपेक्षा की।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय संचार मंत्री को यह भी अवगत कराया कि 4 सैचुरेशन स्कीम के अन्तर्गत भारत संचार निगम (बी.एस.एन.एल.) द्वारा उत्तराखण्ड में 638 टावर स्थापित किये जाने थे, जिसमें से 481 टावर के लिये भूमि अधिग्रहण की जरूरत थी। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण कर ली गयी है, परन्तु बी.एस.एन.एल. द्वारा अभी 224 टावर ही लगाये गये है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में केंद्रीय संचार मंत्री से बी.एस.एन.एल. को त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित करने का आग्रह किया।केंद्रीय संचार मंत्री द्वारा वर्णित विषयों पर शीघ्र आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन मुख्यमंत्री को दिया गया है।

अमरनाथ यात्राः जय बाबा बर्फानी के जयघोष के साथ 4,603 तीर्थयात्रियों का पहला जत्था रवाना

जम्मू , जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर यहां से रवाना किया। इस साल यह पवित्र अमरनाथ गुफा की यात्रा 52 दिन तक चलेगी। भजन–कीर्तन के बीच 4,603 तीर्थयात्रियों का जत्था दो सुरक्षा काफिलों में यहां भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुआ। पुलिस महानिदेशक आर.आर. स्वैन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस मौके पर मौजूद थे।

कुल 1,933 तीर्थयात्री उत्तरी कश्मीर

लिए रवाना हुआ, जबकि दूसरा काफिला सुबह 6.20 बजे नुनवान (पहलगाम) आधार शिविर के लिए रवाना हुआ।

तीर्थयात्री या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग से या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से पवित्र गुफा तक पहुंचते हैं। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग उसी दिन पूजा करने के बाद वापस लौट आते हैं। इस वर्ष 52 दिवसीय तीर्थयात्रा 19 अगस्त को सावन की पूर्णिमा के दिन रक्षाबंधन पर समाप्त होगी। यात्रा को सुचारू और निर्बाध बनाने के लिए तीर्थयात्रा मार्गों, दोनों आधार शिविरों और मंदिर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

बालटाल मार्ग से जा रहे हैं जबकि 2,670 तीर्थयात्री दक्षिण कश्मीर नुनवान (पहलगाम) आधार शिविर होकर जा रहे हैं। तीर्थयात्रियों में 3,631 पुरुष, 711 महिलाएं, नौ बच्चे, 237 साधु और 15 साध्वियां हैं। पहला सुरक्षा काफिला सुबह 5.45 बजे बालटाल आधार शिविर के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं। थेल्स समूह ने कहा कि भारत के बढ़ते रक्षा उद्योग के लिए मेक इन इंडिया और ह्यआत्मनिर्भर भारत के विजन को जारी समर्थन में यह भागीदारी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस स्वदेशी रक्षा उत्पादों के डिजाइन, विकास एवं विनिर्माण की एक अग्रणी कंपनी है।

कंपनी ने इसी महीने संयुक्त अरब अमीरात के एज समूह के साथ एक महत्वपूर्ण करार किया है जो अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और रक्षा क्षेत्र की एक प्रमुख वैश्विक कंपनी है। इस करार के तहत विश्व स्तरीय प्लेटफॉर्म का निर्माण किया जाना है जिससे दोनों कंपनियों की रक्षा और एयरोस्पेस क्षमता में वृद्धि होगी, वे अपने संबंधित उत्पादों के पोर्टफोलियो को एक साथ लाएंगे,

दर्दनाक हादसाः तीर्थयात्रियों से भरी मिनी बस की ट्रक से जोरदार भिड़ंत, 13 लोगों की मौत

हावेरी , कर्नाटक के हावेरी जिले में बड़ा सडक़ हादसा हुआ है। यहां ब्यादगी तालुक में शुक्रवार तडक़े एक मिनी बस के खड़े ट्रक से टकरा जाने से 13 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि पीड़ित शिवमोगा के रहने वाले थे और देवी यल्लम्मा के दर्शन के लिए तीर्थयात्रा के बाद बेलगावी जिले के सवादट्टी से लौट रहे थे। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस ने कहा कि ऐसा लगता है कि बस के चालक को नींद आ गई थी, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने कहा कि आगे की जांच जारी है।

देश के सभी हवाई अड्डों पर होगी इंफ्रास्ट्रक्चर की जांच

दिल्ली एयरपोर्ट हादसे के बाद केंद्रीय मंत्री का बड़ा फैसला

नई दिल्ली , दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 पर शुक्रवार सुबह डिपार्चर फोरकोर्ट पर कैनोपी गिरने की घटना के बाद नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि देश के सभी एयरपोर्ट पर इंफ्रास्ट्रक्चर की जांच की जाएगी ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों। दिल्ली हवाई अड्डे पर स्थिति की समीक्षा के बाद केंद्रीय मंत्री ने संवाददाताओं से कहा, आज टर्मिनल–1 पर सुबह 5 बजे बेहद दु:खद घटना हुई। भारी बारिश की वजह से टर्मिनल–1 की छत का एक हिस्सा गिर गया।

उन्होंने कहा, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि इसे बहुत गंभीर घटना के रूप में लिया गया है। न केवल इस पर एयरपोर्ट की, बल्कि पूरे देश में जितने भी एयरपोर्ट हैं, हम उन सभी की फिर से जांच करेंगे। हम सभी एयरपोर्ट की गहन

जांच करेंगे। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार तडक़े हुए हादसे में कैनोपी का एक हिस्सा वहां खड़ी कारों पर गिर गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए।

राम मोहन नायडू ने कहा, टर्मिनल–1 से जो भी उड़ानें संचालित हो रही हैं, उन्हें टर्मिनल 2 और टर्मिनल 3 पर स्थानांतरित कर दिया गया है। टर्मिनल 2 और टर्मिनल 3 पर स्थानांतरित की गई हैं। हवाई अड्डे के एक प्रवक्ता ने बताया कि हादसे की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है। उन्होंने बताया कि फिलहाल टर्मिनल 1 से सभी उड़ानें निलंबित कर दी गई हैं। सुरक्षा की दृष्टि से चेक–इन काउंटर बंद कर दिये गये हैं। इंडिगो के अलावा अन्य विमान सेवा कंपनियों की टर्मिनल 1 की उड़ानों को टर्मिनल 2 और 3 पर स्थानांतरित किया जा रहा है।

अदाणी डिफेंस के साथ मिलकर भारत में ही 70 एमएम रॉकेट बनाएगी थेल्स

नई दिल्ली , स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने की केंद्र सरकार की पहल के अनुरूप अदाणी समूह की कंपनी अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने भारत में ही 60 एमएम रॉकेट बनाने के लिए थेल्स समूह के साथ एक करार किया है। थेल्स ने एक बयान में बताया कि यह भागीदारी न सिर्फ भारत के लिए उसकी प्रतिबद्धता के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर हमारे पार्टनर नेटवर्क को मजबूत बनाने में भी मददगार होगी। थेल्स समूह ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, हम इस भागीदारी पर अदाणी समूह को बधाई देते हैं। हम मिलकर भारत के रक्षा क्षेत्र के विकास और सफलता में योगदान देना चाहते हैं। हम भारत में अदाणी समूह के साथ भागीदारी की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। हम भारत में थेल्स के 70 एमएम रॉकेट के विनिर्माण में

हंगामें के बीच संसद में बेहोश हुईं कांग्रेस सांसद फूलो देवी नेताम, स्ट्रेचर पर ले जाना पड़ा अस्पताल

नई दिल्ली ,राज्यसभा में शुक्रवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा–स्नातक (नीट–यूजी) के मुद्दे पर हंगामे के बीच कांग्रेस सांसद फूलो देवी नेताम शुक्रवार को अचानक गिरीं और बेहोश हो गईं जिसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह जानकारी दी।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, नीट, यूजीसी–नेट और अन्य पेपर लीक घोटालों पर तत्काल चर्चा से सरकार के इंकार के कारण आज राज्यसभा में हुए शोर शराबे के बीच कांग्रेस सांसद फूलो देवी नेताम अचानक गिरीं और बेहोश हो गईं। कुछ दिन पहले ही उन्हें डेंगू हुआ था।

जदयू की दिल्ली में अहम बैठक आज

कई बड़े फैसले लिए जाने की संभावना

पटना ,एनडीए में शामिल महत्वपूर्ण घटक दल जनता दल यूनाइटेड की शनिवार को दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होने जा रही है। इस बैठक में भाग लेने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना से दिल्ली रवाना हो गए हैं। लोकसभा चुनाव के बाद होने वाली इस बैठक को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि इस बैठक में कई बड़े निर्णय लिए जा सकते हैं।

जदयू के सूत्रों की मानें तो इस बैठक में अगले साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति पर चर्चा होगी और उसे लेकर कुछ बड़े निर्णय लिए जा सकते हैं।

हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन पर चर्चा की जाएगी। पिछले साल दिसंबर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद नीतीश कुमार ने कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए थे, जिसमें महागठबंधन से नाता तोड़ना और भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के समर्थन से बिहार में सरकार बनाना शामिल है। जदयू के नेता और मंत्री मदन सहनी भी बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली रवाना हो गए हैं। दिल्ली जाने के पहले उन्होंने पत्रकारों से चर्चा

करते हुए कहा, पार्टी में बैठकें होती रहती हैं। यह बड़ी बैठक है, कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। अभी नहीं कहा जा सकता कि क्या निर्णय लिए जाएंगे। इधर, जदयू के एक नेता की मानें तो बैठक में पार्टी को मजबूत करने के अलावा पार्टी के विस्तार समेत कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। लोकसभा चुनाव के बाद पैदा हुए हालात पर भी चर्चा की जाएगी। यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि नीतीश कुमार के नेतृत्व में जदयू अब 12 लोकसभा सांसदों के साथ केंद्र में एनडीए की अहम सहयोगी है। साथ ही पार्टी बिहार में लोकसभा की सीटों की संख्या में आई गिरावट पर भी चर्चा कर सकती है। वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में जदयू 16 सीटें जीती थी। जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की इस बैठक में पार्टी के सभी विधायक, सांसद और प्रमुखों को आमंत्रित किया गया है।

संपादकीय

नशे की फैलती जड़ें

उत्तराखंड को एक आदर्श और नशा मुक्त राज्य बनाने की दिशा में सरकार एवं प्रदेश पुलिस द्वारा लगातार प्रयास एवं अभियान चलाए जाते रहे हैं लेकिन इसके बावजूद नशे की तस्करी एवं नशा करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। लंबे समय से पुलिस एवं नशा तस्करों के बीच यह खेल जारी है और तमाम अभियानों के बावजूद भी नशे के खेल को रोका नहीं जा सका है। पिछले कुछ दिनों में उत्तराखंड एसटीएफ तथा देहरादून जनपद पुलिस समेत उत्तरकाशी एवं नैनीताल पुलिस ने भी कई ड्रग तस्करों को पकड़कर सलाखों के पीछे पहुंचाया, हालांकि इन लोगों के पकड़े जाने के बावजूद भी नशे की तस्करी में लगाम लग पाई हो ऐसा भी कभी नजर नहीं आया। राजधानी देहरादून एवं कुमाऊंके दूसरे जनपदों में भी पुलिस ने कई बड़ी खेप पकड़ते हुए नशा तस्करों के मंसूबे नाकाम किए हैं लेकिन पूर्ण रोकथाम का क्रम फिर भी नहीं पटरी पर आया।चौंकाने वाली बात तो यह है कि एसटीएफ द्वारा कुछ ऐसे भी मामले पकड़े गए जिनमें न केवल भारी मात्रा में मादक पदार्थ पकड़े गए बल्कि उनकी कीमत भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कई लाख रुपए में आंकी गई। एक सवाल यहां खड़ा होता है कि आखिर उत्तराखंड और खास तौर से देहरादून में नशे की तस्करी का कारोबार क्यों बढ़ने लगा है? प्रदेश के मुख्यमंत्री खुद नशा मुक्त उत्तराखंड मिशन को लेकर गंभीर हैं जिसके लिए न केवल नारकोटिक्स विभाग बल्कि डीजीपी को भी नशा रोकने को लेकर निर्देश जारी किए गए हैं। पुलिस की अलग–अलग टीमों द्वारा कई बड़ी खेप पकड़ी गई लेकिन नशे का कारोबार आज भी बदस्तूर चल रहा है, जिसका एक बड़ा सॉफ्ट टारगेट प्रदेश के शैक्षिक संस्थान है। शायद राजधानी देहरादून में तस्करी की बड़ी सप्लाई का एक कारण यह भी है कि यहां राज्य बनने के बाद कुकुरमुत्तों की तरह शैक्षिक संस्थानों में बाहरी छात्रों की संख्या में बेहद बढ़ोतरी देखी गई और कहीं ना कहीं इनमें कई छात्रों में नशे की प्रवृत्ति भी देखने को मिली है। उत्तराखंड में नशे के तौर पर भी अब इंजेक्शन, टैबलेट, पाउडर और दूसरे रूप में लिया जाने वाला नशा राज्य बनने के बाद ही बहुतायत में देखने को मिल रहा है। एक लंबे समय से राज्य पुलिस भी यह जानती आई है कि उत्तराखंड में अधिकांश तौर पर नशे के सामग्री की आपूर्ति दूसरे राज्यों से की जाती है लेकिन इधर पिछले कुछ समय से उत्तर प्रदेश के दूसरे जनपदों से भी शराब और नशे के तस्कर उत्तराखंड को नशे की कारोबार के लिए मुफीद जगह मानने लगे हैं। नशे के कारोबार पर पूर्ण रूप से लगाम कसने संभव नहीं है लेकिन यह जरूर संभव है कि उत्तराखंड पुलिस द्वारा नशे को रोकने के लिए बनाई गई पुलिस टीमें तस्करों के सरगनाओ तक पहुंचाने की कोशिश करें, अन्यथा छोटे–मोटे तस्करों को पकड़कर यह कारोबार थम जाएगा, यह मुमकिन नहीं है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी नशा मुक्ति उत्तराखंड के मिशन को लेकर चल रहे हैं और इसके लिए पुलिस मुख्यालय को भी निर्देशित किया गया है। पूरा विभाग नशा तस्करों पर पहली नजर रखे हुए हैं लेकिन पूर्ण सफलता शायद अभी कोसों दूर है या यह कह सकते हैं कि नशा तस्करों का साम्राज्य इस प्रकार से अपनी बुनियादी मजबूत कर चुका है कि उन्हें उखाड़ पाना अब आसान नहीं है।

बढ़ते प्रदूषण से जान और जहान खतरे में

ललित गर्ग

कहते हैं कि जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान, दोनों ही खतरे में हैं। देश की हवा में घुलते प्रदूषण का ह्यजहरह्न अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिंता का बड़ा कारण हैं।

प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा–असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। जीवन–शैली ऐसी बन गई है कि आदमी जीने के लिए सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया। गंभीर होती इस स्थिति को यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान ह्यहेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूटह्न की साझेदारी में जारी रिपोर्ट ने बयां किया है। रिपोर्ट के आंकड़े करने वाले हैं, जिनमें 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है।

चिंता की बात यह है कि भारत और चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसद है जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में कोताही को दर्शाता है। इसमें आम आदमी की लापरवाही भी कम नहीं है। उसे पता ही नहीं होता कि किन प्रमुख कारणों से वह प्रदूषण फैला रहा है। प्रश्न है कि आम आदमी एवं उसकी जीवनशैली वायु प्रदूषण को इतना बेपरवाह होकर क्यों फैलाती है? क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा? प्रदूषण जैसी समस्याएं नये—नये मुखौटे ओढ़ कर डराती हैं। विडम्बना तो यह है कि विभिन्न राज्य सरकारें विकट होती समस्या का हल निकालने की बजाय राजनीतिक आरोप—प्रत्यारोप लगाती रहती हैं। जानबूझकर प्रदूषण फैलाती हैं ताकि एक—दूसरे की छीछालेदर कर सकें। प्रदूषण के नाम पर कोरी राजनीति होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

दुखद यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित और चिंतित करने वाले हैं वहीं नीति–नियंताओं के लिए शर्म का विषय होना चाहिए। सरकार की नाकामयियां ही हैं कि जिंदगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी है, कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है। जानलेवा वायु प्रदूषण न केवल भारत, बल्कि दुनिया के लिए गंभीर समस्या है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की संख्या की बात है तो यह करीब 81 लाख बताई जाती है।

चिंता की बात यह है कि भारत और चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसद है जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में कोताही को दर्शाता है। इसमें आम आदमी की लापरवाही भी कम नहीं है। उसे पता ही नहीं होता कि किन प्रमुख कारणों से वह प्रदूषण फैला रहा है। प्रश्न है कि आम आदमी एवं उसकी जीवनशैली वायु प्रदूषण को इतना बेपरवाह होकर क्यों फैलाती है? क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा? प्रदूषण जैसी समस्याएं नये–नये मुखौटे ओढ़ कर डराती हैं। विडम्बना तो यह है कि विभिन्न राज्य सरकारें विकट होती समस्या का हल निकालने की बजाय राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप लगाती रहती हैं। जानबूझकर प्रदूषण फैलाती हैं ताकि एक–दूसरे की छीछालेदर कर सकें। प्रदूषण के नाम पर कोरी राजनीति होना दुर्भाग्यपूर्ण है। दिल्ली सहित उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में प्रदूषण का बेहद खतरनाक स्थिति में बने रहना चिंता में डालता है।दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरु ग्राम में प्रदूषण का बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों से आने वाला पराली का धुआं होता है। पटाखों का धुआं भी समस्या है, इसके अलावा सडक़ों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने एवं बढ़ता धूम्रपान जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। आवासीय कॉलोनियों और व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की वजह है। यह कैसी शासन–व्यवस्था है? अदालतों की कैसी अवमानना का मामला है? यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव–ठहराव की स्थितियों के बीच व्यक्ति, शासन–प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण के दायित्वों से दूर होता जा रहा है।

यूनिसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से 1 लाख 69 हजार बच्चे, जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बताई गई है, मौत के शिकार होते हैं। प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका समुचित शारीरिक विकास ढंग से नहीं हो पाता। बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां से पीड़ित होना जैसी शिकायतें आम हैं। चिंता की बात यह भी है कि गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले भारत के लिए संकट बड़ा है। दिल्ली सहित कई महानगरों में प्रदूषण जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है। हर कुछ समय बाद अलग–अलग वजहों से हवा की गुणवत्ता का स्तर ह्यबेहद खराबह्न की श्रेणी में दर्ज किया जाता है और सरकार की ओर से स्थिति में सुधार के लिए तमाम उपाय करने की घोषणा की जाती है। हो सकता है कि ऐसा होता भी हो, लेकिन सच यह है कि कुछ समय बाद प्रदूषण का स्तर गहराने के साथ सवाल खड़ा होता है कि आखिर, इसकी असली जड़ क्या है, और क्या सरकार की कोशिशें सही दिशा में हो पा रही हैं?

पिछले कई सालों से दुनिया के पहले बीस प्रदूषित शहरों में भारत के कई शहर दर्ज होते रहे हैं। जाहिर है, हम वायु प्रदूषण के दिनोंदिन गहराते संकट से निपट पाने में तो कामयाब हो नहीं पा रहे, बल्कि जानते–बूझते ऐसे काम करने में जरा भी नहीं हिचकिचा रहे हैं, जो हवा को और जहरीला बना रहे हैं। हम नैतिक, आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक एवं व्यक्तिगत, सभी क्षेत्रों में मनोबल के दिवालिएपन के कगार पर आ खड़े हुए हैं।

परेशानी बनते प्रश्नपत्र लीक होने के मामले

—प्रियंका सौरभ

जब किसी प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है तो परीक्षार्थियों के साथ परिजनों के सपने भी चकनाचूर होते हैं। ऐसी घटनाओं से एक उन्नत, समृद्ध, सुशिक्षित एवं सशक्त राष्ट्र एवं समाज बनने– बनाने का हमारा सामूहिक स्वप्न और मनोबल टूटता है। इससे युवाओं के भीतर व्यवस्था के प्रति असंतोष एवं निराशा की स्थायी भावना घर करती है। शासन का प्रभाव कम होता है और व्यवस्था से आमजन का मोहभंग होता है। नौजवानों के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं न केवल उज्ज्वल भविष्य का,अपितु कई बार अस्तित्व का भी प्रश्न बन जाती हैं। इसके साथ ही सरकार की विश्वसनीयता संकट में पड़ती है। प्रश्नपत्र लीक करवाने के मामले में कई बार बड़े–बड़े कोचिंग केंद्रों एवं संचालकों की भी संलिप्तता पाई जाती है। नकल आज एक देशव्यापी कारोबार बनता जा रहा है, जिसके कई लाभार्थी और अंशधारक हैं। राजनेता से लेकर अधिकारी तक, प्रश्नपत्र निर्माता से लेकर समन्वयक तक, परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्थाओं और आयोगों से लेकर परीक्षा केंद्रों तक की संदिग्ध भूमिका या मिली भगत से इन्कार नहीं किया जा सकता। प्रश्नपत्र लीक होने में मैनुअल हैंडलिंग और सुरक्षा चूक प्रमुख कारण हैं। प्रश्नपत्रों की छपाई और वितरण की पारंपरिक विधि में कई टचपॉइंट शामिल होते हैं, जहां सुरक्षा से समझौता किया जा सकता है। उदाहरण के लिए– 2020 में, मैनुअल हैंडलिंग गलती के कारण बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के दौरान एक महत्वपूर्ण गलती हुई। संगठित अपराध में संलिप्तता से आपराधिक गिरोह परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों का फायदा उठा कर आर्थिक लाभ कमाते हैं। उदाहरण के लिए, राजस्थान में कई परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया गया, जिससे करोड़ों का अवैध राजस्व अर्जित हुआ।

तकनीकी कमजोरियां बताती हैं कि खराब सुरक्षा वाले डिजिटल सिस्टम को हैक किया जा सकता है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक लीक हो सकता है। उदाहरण के लिए, मेडिकल प्रवेश परीक्षा के प्रश्नपत्र हैक किए गए ईमेल पोस्ट के माध्यम से लीक हो गए, जिससे व्यापक वितरण हुआ। परीक्षा अधिकारी या कर्मचारी कभी– कभी वित्तीय लाभ के लिए पेपर लीक करने के लिए बाहरी पक्ष के साथ सहयोग करते हैं। उदाहरण के लिए, 2023 में राज्य भर्ती परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्र लीक करने में शामिल होने के लिए कई अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया था। प्रश्नपत्र लीक रोकने के लिए आज हमें उन्नत सुरक्षा प्रोटोकॉल की आवश्यकता है। भौतिक उपयोगकर्ताओं के लिए छेड़छाड़ रोधी ट्रैकिंग और सुरक्षित परिवहन सुविधाओं का उपयोग करना जरुरी है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने डेटाबेस डिजिटल संसाधनों का उपयोग शुरू किया है, जो केवल परीक्षा परिणामों पर अधिकृत कर्मियों के लिए आसान हैं। सुरक्षित प्रश्नपत्र प्रबंधन और वितरण के लिए ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का उपयोग करना फायदेमंद हो सकता है। सख्त कानूनी ढांचा लीक में शामिल व्यक्तियों के लिए कठोर दंड का प्रावधान कर सकता है। प्रश्नपत्र लीक होने से उत्पन्न असुविधा और अनियमितता छात्रों में तनाव और चिंता को काफी हद तक बढ़ा देती है, जिससे उनकी मानसिक स्थिति और परीक्षा में प्रदर्शन प्रभावित होता है। जिन छात्रों ने कड़ी मेहनत की है, उन्हें लग सकता है कि उनकी उपलब्धियों को कम आंका गया है, जिससे शिक्षा प्रणाली और उनकी अपनी क्षमता में आत्मविश्वास की कमी हो सकती है। पेपर लीक की बार– बार होने वाली घटनाएं छात्रों को हताश कर सकती हैं, जिससे उन्हें अपने भविष्य की संभावनाओं और योग्यता– आधारित सफलता के मूल्य के बारे में मोहभंग होने लगता है। बिहार में राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षाओं के कई लीक के बाद, कई छात्र निराश महसूस करने लगे और शिक्षा प्रणाली की निष्पक्षता में विश्वास खो दिया। छात्रों की शैक्षणिक योजनाएं परीक्षा में बैठने की आवश्यकता से बाधित होती हैं, जिससे अतिरिक्त तनाव पैदा होता है। प्रश्न पत्र लीक होने सेकण्डरी विश्वास और परीक्षा में विश्वास की हानि होती है,जिससे छात्रों और सेवाओं में अविश्वास पैदा होता है।

आपातकाल में संघ की भूमिका महत्त्वपूर्ण अध्याय

डॉ. प्रशांत बड़थ्वाल

भारतीय राजनीति में जब कभी भी लोकतांत्रिक इतिहास का कलंकित अध्याय खोला जाएगा, तो वह तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा सांविधानिक प्रावधानों की निर्मम हत्या कर देश में आपातकाल की घोषणा 25 जून की मध्यरात्रि ही रहेगा।

आपातकाल महज नागरिक स्वतंत्रता को निलंबित करना एवं समाज में पुनः निरंकुश कानून को स्थापित करना भर नहीं था, बल्कि इलाहबाद उच्च न्यायालय में गांधी की एकतरफा हार का प्रमुख कारण रहा। तत्पश्चात अपने हजारों राजनीतिक विरोधियों को गिरफ्तार किया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को कम कर दिया गया और सरकार के लिए खतरा माने जाने वाले संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। उन संगठनों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) एक प्रभावशाली संगठन था।

इसके बाद जो हुआ, वह आरएसएस के इतिहास के सबसे उल्लेखनीय अध्यायों में से एक ह्यनिष्क्रिय प्रतिरोध आंदोलनह्न था, जिसने प्रतिबंध की पुरज़ोर अवहेलना की और अपने संगठनात्मक ढाँचे को काफी हद तक अक्षुण्ण रखा और आपातकाल का विरोध करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रतिरोध के शीर्ष पर संघ के तत्कालीन सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रेय देवरस (बालासाहेब देवरस) थे। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी से पूर्व कार्यकताओं और स्वयंसेवकों को संबोधित किया और कहा कि, ह्यइस असाधारण स्थिति में, स्वयं सेवक अपना संतुलन खोने के लिए बाध्य नहीं हैं। 26 जून, 1975 की सुबह जैसे ही आपातकाल की घोषणा की खबर पूरे भारत में फैली, देश में अविश्वास और भय की भावना फैल गई।

आपातकाल का लागू होना राजनीतिक उथल–पुथल, आर्थिक चुनौतियों और इंदिरा गांधी की बढ़ती सत्तावादी प्रवृत्तियों के दौर की परिणति के रूप में आया। संघ, जो लंबे समय से गांधी की चुनिंदा नीतियों की आलोचना करता रहा, आपातकाल की घोषणा के कुछ ही घंटों के भीतर उनके प्रमुख नेताओं को घेर लिया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि यह संघ की दूरदर्शिता ही थी कि शीर्ष नेतृत्व ने इस तरह के कदम का पूर्वानुमान लगा लिया था।

आपातकाल से कुछ समय पूर्व जैसे–जैसे राजनीतिक तनाव बढ़ा, बालासाहब देवरस और संघ के अन्य वरिष्ठ नेतृत्व ने आकस्मिक योजनाएं बनानी शुरू कर दी थीं। उन्हें दृढ़ विश्वास था कि संगठन की यह तैयारी उस तूफान का अपनी क्षमतापूर्वक सामना करने में महत्त्वपूर्ण साबित होगी जो इसे घेरने वाला था और जनकल्याण हेतु कार्य में विघ्न उत्पन करने वाला था। संघ के वरिष्ठ प्रचारक और लोक संघर्ष समिति के संयोजक, नानाजी देशमुख (जिन्होंने 1977 में जनता पार्टी के बैनर तले विपक्ष को एक साथ लाने में अहम भूमिका निभाई) और के. एस. सुदर्शन ने भी पत्रों के माध्यम से विभिन संगठनों के साथ भी संवाद किया। संघ पर सरकार की कार्रवाई त्वरित और कठोर थी। शीर्ष नेतृत्व से लेकर स्थानीय स्तर के हजारों कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों तक को गिरफ्तार किया गया और जेल में डाल दिया गया।

संगठन के कार्यालयों पर छापे मारे गए और दस्तावेज के साथ संपत्ति भी जब्त कर ली गई। 4 जुलाई, 1975 को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माने जाने वाले कई अन्य संगठनों के साथ संघ को आधिकारिक रूप से ह्यमीसा कानूनह्न के अंतर्गत प्रतिबंधित कर दिया गया था। इस भारी–भरकम दृष्टिकोण के बावजूद संघ नई वास्तविकता के लिए पुनः अनुकूल होने में कामयाब रहा। संघ ने अपने स्थानीय शाखाओं की अनूठी संरचना से राष्ट्र में व्याप्त भय के वातावरण में भी विकेंद्रीकृत नेतृत्व के साथ जनमानस तक केंद्र सरकार की निरंकुश नीतियों का दमन और समाज में अन्य वर्ग के लोगों की सहायता से कई प्रचार–प्रसार के कार्य सफलतापूर्वक किया, जिसमें स्वयंसेवकों के अलावा सामान्य जनता का भी सरकार के प्रति रोष संघ के लिए अतुलनीय योगदान के रूप में सिद्ध हुआ।

वर्ष 1975 के अंत में जेल से बाहर आकर आपने संदेश में देवरस ने लिखा–ह्यवर्तमान संकट वैचारिक मतभेदों से परे है। लोकतंत्र और कानून के शासन में विश्वास रखने वाले सभी लोगों को हमारे मौलिक अधिकारों पर इस हमले का विरोध करने के लिए एक साथ आना चाहिए। इस निर्देश से संघ और अन्य विपक्षी समूहों के बीच सहयोग बढ़ा, जिसमें समाजवादी और मध्यमार्गी शामिल थे। देवरस ने अहिंसक प्रतिरोध के महत्व पर भी जोर दिया।

उन्होंने स्वयंसेवकों को निर्देश दिया कि वे अधिकारियों के साथ टकराव से बचें जो हिंसा का कारण बन सकते हैं, इसके बजाय सविनय अवज्ञा और भूमिगत संगठनात्मक कार्य पर ध्यान केंद्रित करें।

रोहित शेट्टी का सिंघम अगेन के खलनायक अर्जुन कपूर को तोहफा, खौफ पैदा कर रहा अभिनेता का नया पोस्टर

रोहित शेट्टी के डायरेक्शन में बनी और अजय देवगन स्टारर फिल्म सिंघम अगेन सिनेमा लवर्स के लिए एक बार फिर धमाकेदार एक्सपीरियंस लेकर आ रही है। इस सीक्वल का फैंस को बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि सिंघम और सिंघम रिटर्न्स की सफलता के बाद यह फिल्म रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रही है। हाल ही में सिंघम अगने की रिलीज डेट का एलान किया गया था। वहीं, अब फिल्म से अर्जुन कपूर का नया पोस्टर रिलीज किया गया है।

रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स में अर्जुन कपूर की भी एंट्री हो गई है। सिंघम अगेन में वो विलेन के किरदार में नजर आएंगे। 26 जून को एक्टर अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। ऐसे में रोहित शेट्टी ने विश करते हुए फिल्म से एक्टर का नया पोस्टर जारी किया है।

सिंघम अगेन रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का एक और बेहतरीन अध्याय साबित होने सकती है। रोहित शेट्टी भी फिल्म को लेकर कोई कोताही नहीं बरत रहे हैं। रिलीज के पहले वो लगातार फिल्म से जुड़ी अपडेट फैंस को दे रहे हैं। अब अर्जुन कपूर के बर्थडे पर भी उन्होंने फिल्म से एक्टर का लुक शेयर किया है, जिसमें एक्टर के चेहरे और हाथ पर खून लगा हुआ, लेकिन उनके चेहरे पर डरा देने वाली हंसी है।सिंघम अगेन की कहानी एक बार फिर से ईमानदार और निडर पुलिस अधिकारी बाजीराव सिंघम के इर्द–गिर्द घूमेगी। इस बार सिंघम को और भी बड़े और खतरनाक दुश्मनों का सामना करना पड़ेगा। फिल्म में अजय देवगन का दमदार एक्शन और उनका वही पुराना अंदाज दर्शकों को एक बार फिर से मंत्रमुग्ध करेगा। अब देखना यह है कि सिंघम अगेन बॉक्स ऑफिस पर क्या नया रिकॉर्ड बनाती है और कितनी सफलता प्राप्त करती है।सिंघम अगेन में अजय देवगन और अर्जुन कपूर के साथ– साथ करीना कपूर खान भी नजर आएंगी, जिन्होंने पहले भी सिंघम रिटर्न्स में अहम भूमिका निभाई थी। इनके अलावा फिल्म में रणवीर सिंह भी अपने सिंबा वाले किरदार में दिखेंगे।

टीम के भरोसे को हर बार तोड़ता है ये खिलाड़ी, फिर भी कोच और कप्तान का है फेवरेट

नई दिल्ली ,28 जून। टी 20 विश्व कप 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुँच चुकी है. टीम इंडिया में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो अब तक खेले गए सभी मैचों में प्लेइंग ड्ढढ्ढ का हिस्सा रहे हैं लेकिन जब बात प्रदर्शन की करें तो वे वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जैसी उनसे उम्मीद की जा रही है. ऐसे ही एक खिलाड़ी हैं ऋषभ पंत. पंत को टीम मैनेजमेंट का पूरा सहयोग मिल रहा है लेकिन वे अपने प्रदर्शन से उस भरोसे पर खड़े नहीं उतर पा रहे हैं.

विश्व कप में प्रदर्शन पर नजर

टी 20 विश्व कप 2024 में ऋषभ पंत को बैटिंग ऑर्डर में प्रमोट करते हुए तीसरे नंबर पर भेजा जा रहा है. विराट कोहली की लगातार असफलता की वजह से पंत काफी पहले बैटिंग के लिए आ रहे हैं. उनके पास पूरा मौका रहता है बड़ी पारी खेलने का लेकिन उन्हें शुरुआत मिलती है. गैरपारंपरिक शॉट खेल वे कुछ रन बनाते हैं लेकिन जब लगता है कि वे सेट हो चुके हैं और टीम के स्कोर को सम्मानजनक बनाएंगे तभी वे अपना विकेट फेंक कर चले जाते हैं. सुपर 8 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में पंत से टीम को बड़ी पारी की उम्मीद थी.

रोहित शर्मा का बड़ा कारनामा, ऐसा करने वाले भारत के 5 वें कप्तान बने

नई दिल्ली ,भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टी 20 विश्व कप 2024 के सुपर 8 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रनों की पारी खेली थी. रोहित की इस धुआंधार पारी ने ऑस्ट्रेलिया को मैच से बाहर कर दिया था. सेमीफाइनल में भी इंग्लैंड के खिलाफ रोहित ने 57 रनों की पारी खेली. रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पारी के दौरान भारतीय कप्तान के रुप में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की. रोहित ने बतौर कप्तान काफी कम समय में ये उपलब्धि हासिल की है. उन्हें 2021 की आखिर में भारतीय टीम की कप्तानी पूर्ण रुप से सौंपी गई थी.

ऐसा करने वाले पांचवें कप्तान बने

इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल के दौरान के रोहित शर्मा भारतीय कप्तान के रुप में 5000 या उससे अधिक रन बनाने वाले 5 वें खिलाड़ी बन गए हैं. रोहित 57 रन की पारी के दौरान जब 24 वें रन पर पहुँचे तो बतौर कप्तान उनके 5000 रन पूरे हो गए. अब रोहित के बतौर कप्तान कुल 5033 रन हो गए हैं. बतौर कप्तान 5,000 रन बनाना एक बड़ी उपलब्धि है और रोहित ने इसे बहुत ही कम समय में हासिल किया है.

इंग्लैंड के खिलाफ रोहित शर्मा ने 39 गेंद में 57 रन की पारी खेली. इस पारी में उन्होने 6 चौके और 2 छक्के लगाए. अपनी इस पारी के दौरान 5 वां चौका लगाते ही रोहित टी 20 विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं. रोहित के कुल 113 छक्के हो गए हैं. 111 चौके के साथ जयवर्धने दूसरे, 105 चौके के साथ विराट कोहली तीसरे और 103 चौके के साथ डेविड वॉर्नर चौथे नंबर पर हैं.

अन्य भारतीय कप्तान

भारतीय कप्तान के रुप में सबसे ज्यादा रन विराट कोहली ने बनाए हैं. विराट ने बतौर कप्तान 12883 रन बनाए हैं. दूसरे नंबर पर एमएस धोनी हैं. उन्होंने 11207 रन बनाए हैं. तीसरे नंबर पर मोहम्मद अजहरुद्दीन हैं. उन्होंने 8095 रन बनाए हैं.

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म ककुड़ा की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, पहला पोस्टर भी आया सामने

हिंदी सिनेमा में हॉरर कॉमेडी मूवीज को काफी पसंद किया जा रहा है। हाल ही में रिलीज हुई मुंज्या बॉक्स ऑफिस पर अपनी कमाई से हर रोज धमाल मचा रही है। इस शैली में अब सुपरनैचुरल कॉमेडी ककुड़ा की चर्चाएं हो रही है।

मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट लुक जारी किया है, साथ ही रिलीजिंग डेट से भी पर्दा उठाया है।फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा, रितेश देशमुख और साकिब सलीम लीड रोल में हैं।सोशल मीडिया पर मेकर्स ने एक डरावना पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर में रितेश बीच में खड़े हैं और उनके हाथ में एक डिवाइस है। उनके बाएं हाथ पर टैटू है और आंखों में काजल लगा हुआ है। उनके बगल में सोनाक्षी हैं, जो डरी–सहमी नजर आ रही हैं। उन्होंने टॉर्च पकड़ी हुई है।

रितेश के दूसरी तरफ साकिब हैं, जो गुंडे की तरह दिख रहे हैं और टॉर्च पकड़े हुए हैं। तीनों के पीछे डरावनी परछाई है, जो उन्हें करीब से देख रही है।

मेकर्स ने पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, पुरुषों के हित में जारी। ककुड़ा आ रहा है। 12 जुलाई को घर पर रहें और ठीक 7:15 बजे दरवाजा खुला रखना ना भूलें। अब मर्द खतरे में है।

ककुड़ा की कहानी उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के शापित रतौड़ी गांव के ईद–गिर्द घूमती है। यहां हर घर में दो दरवाजे होते हैं, एक सामान्य आकार का और दूसरा उससे छोटा।

फिल्म में अजीबोगरीब अनुष्ठान होते हैं, जिसके तहत हर मंगलवार को शाम 7:15 बजे हर किसी को अपने घर के छोटे दरवाजे को खुला रखना होता है, जो ऐसा नहीं करता, उस पर ककुड़ा अपना प्रकोप बरसाता है। वह घर के मुखिया को भयंकर सजा देता है।ककुड़ा कौन है और वह गांव के पुरुषों को सजा क्यों देता है, गांव वालों को अभिशाप से कैसे मुक्ति मिलेगी?,

वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, नया पोस्टर आया सामने

वरुण धवन को आखिरी बार फिल्म बवाल में देखा गया था, जिसमें उनके काम की खूब तारीफ हुई। यह फिल्म बीते साल 21 जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी।अब वरुण फिल्म बेबी जॉन में नजर आएंगे, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।इसके निर्देशन की कमान एटली ने संभाली है, जिन्होंने बीते साल शाहरुख खान के साथ फिल्म जवान दी थी।अब निर्माताओं ने बेबी जॉन की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, इस साल क्रिसमस और भी मजेदार हो गया है। 25 दिसंबर को बेबी जॉन की रिलीज़ के लिए तैयार हो जाइए।

जब 15 साल तक.. विराट पर उठे सवालों पर रोहित ने दिया करारा जवाब, ट्रोलर्स की हुई बोलती बंद

नई दिल्ली ,टीम इंडिया ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर फाइनल की टिकट कटा ली है. लेकिन, पूर्व कप्तान विराट कोहली के लिए ये टूर्नामेंट अब तक किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा है. उनके बल्ले से एक भी बड़ी पारी नहीं आई है बल्कि वो 2 बार तो जीरो पर भी आउट हो चुके हैं. सेमीफाइनल में भी विराट 9 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर उनकी काफी ट्रोलिंग हो रही है. लेकिन, सेमीफाइनल जीतने के बाद हिटमैन रोहित शर्मा ने विराट के आलोचकों को करारा जवाब दिया और

बोलती ही बंद कर दी...

रोहित ने किया विराट का सपोर्ट

सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ एक बार फिर विराट कोहली बड़ा स्कोर नहीं बना सके. वह 9 गेंद पर 9 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. इसके बाद से ही विराट सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार हो रहे हैं. लेकिन, उन्हें कप्तान का पूरा साथ मिला.मैच जीतने के बाद हिटमैन से जब विराट के फॉर्म को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि, ह्यनिश्चित. विराट कोहली बेहतरीन खिलाड़ी हैं. कोई भी खिलाड़ी इससे (आउट ऑफ फॉर्म) गुजर सकता है. हमें उनकी क्लास पता है और बड़े मैचों में उनकी अहमियत को समझते हैं. जब आप 15 साल से क्रिकेट खेल रहे हैं, तो फॉर्म कभी कोई समस्या नहीं होती. वह अच्छा दिख रहा है, इरादा वहीं है, वह शायद फाइनल के लिए बचत कर रहा है. बिल्कुल (फाइनल के लिए कोहली का समर्थन). हम एक टीम के रूप में बहुत शांत रहे हैं.

विराट के लिए खराब रहा है ये वर्ल्ड कप

टी–20 वर्ल्ड कप 2024 विराट कोहली के लिए अब तक किसी बुरे सपने की तरह रहा है. कोहली ने 7 पारियों में सिर्फ 75 रन ही बनाए हैं और उनके बल्ले से एक भी बड़ी पारी नहीं आई है.

एक नजर

शपथ ग्रहण समारोह तीस को

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल उत्तराखंड की कोटद्वार इकाई का शपथ ग्रहण समारोह 30 जून को आयोजित किया जायेगा। शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए इकाई के जिलाध्यक्ष विवेक अग्रवाल ने बताया कि समारोह में प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी मुख्य अतिथि और लैंसडौन विधानसभा विधायक दिलीप रावत विशिष्ट अतिथि होंगे।

एनएसयूआई ने एनटीए को बैन करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : एनएसयूआई ने शुक्रवार को लगातार हो रही परीक्षाओं में धांधलियों के विरोध में हस्ताक्षर अभियान चलाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने एनटीए को बैन करने की मांग करते हुए कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की जानी चाहिए।

डीएम कार्यालय के पास एनएसयूआई ने एनटीए और एनटीए के पेपर में धांधली का आरोप लगाते हुए हस्ताक्षर अभियान चलाया। इस दौरान एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव अंकित सुंद्रियाल ने कहा कि लगातार परीक्षाओं में हो रही धांधली छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। परीक्षाओं में धांधली से छात्र-छात्राएं गलत कदम भी उठा रहे हैं। कहा परीक्षाओं में कड़ी मेहनत करने वाले छात्र-छात्राओं के सपनों को तोड़ा जा रहा है। उन्होंने एनटीए को बैन करने की मांग उठाई। इस मौके पर अमन नेगी, अंकित नौटियाल, विद्या सेमवाल, मनीष, हिमानी, सूरज आदि मौजूद रहे।

तहसील दिवस 2 जुलाई को

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जन समस्याओं के निस्तारण के लिए आगामी 2 जुलाई को थलीसैंण में तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। तहसीलदार थलीसैंण ने बताया कि थलीसैंण ब्लाक सभागार में डीएम डा. आशीष चौहान की अध्यक्षता में 10 बजे से तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी लोगों से अपनी समस्याएं लेकर तहसील दिवस में आने की अपील की है।

एनएच पर बने गड्ढे को भरने की उठाई मांग

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर उफल्डा के समीप सड़क पर बना गहरा गड्ढा दुर्घटना को न्योता दे रहा है। जिसको लेकर शुक्रवार को उद्योग व्यापार मंडल श्रीनगर के जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी और डांग व्यापार सभा के अध्यक्ष सौरभ पांडे ने एनएच विभाग के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन दिया। कहा कि नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत उफल्डा पर हाईवे पर गहरा गड्ढा बना हुआ है। जोकि कभी भी बड़ी दुर्घटना को न्योता दे सकता है। उन्होंने समय रहते गड्ढे को भरने की मांग की है। (एजेंसी)

ग्रामीणों ने जड़े लोनिवि दफ्तर में ताले

रूद्रप्रयाग : मुख्यालय से सटे सांदर गांव के आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार को गांव में सड़क बनाने के दौरान क्षतिग्रस्त किए सम्पर्क मार्ग, गौशाला और पुश्तों का निर्माण न करने पर लोनिवि दफ्तर में तालाबंदी की। ग्राम प्रधान के नेतृत्व में ग्रामीणों ने लोनिवि कार्यालय में विरोध-प्रदर्शन कर नारेबाजी की। साथ ही मांग पूरी न होने पर दोबारा तालाबंदी की चेतावनी दी। बाद में अधिकारियों के मौके पर जाकर निरीक्षण कर कार्रवाई का भरोसा देने के बाद ग्रामीण शांत हुए। वहीं ग्रामीणों के विरोध पर लोनिवि द्वारा दो जेसीबी गांव में भेज दी गई है। जबकि कार्यवाही का भरोसा दिया है। (एजेंसी)

हर माह स्वास्थ्य कैंप लगाने के आदेश

टिहरी : शुक्रवार को सीडीओ डा. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में चिकित्सा प्रबन्धन समिति की बैठक हुई। बैठक में उपस्थित चिकित्सा अधिकारियों को भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वास्थ्य कार्यक्रमों का लाभ प्राथमिकता के आधार पर जनपद के समस्त स्थानीय नागरिकों एवं ग्रामीणों को देने के साथ ही प्रत्येक पात्र व्यक्ति एवं उसके परिवार के सदस्यों का आयुष्मान कार्ड अनिवार्य रूप से बनाए जाने के साथ ही जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों में प्रत्येक माह स्वास्थ्य सम्बन्धी कैम्प लगाने के निर्देश सीडीओ ने दिए। सभी चिकित्साधिकारियों को सीडीओ ने बरसात के सीजन में अस्पतालों व स्वास्थ्य केन्द्रों की साफ-सफाई रखने के साथ ही सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के भी निर्देश दिए गए।

बारिश ने खोली निगम की पोल, पानी-पानी हुआ शहर

बारिश के दौरान नालियां चौक होने से जलमग्न हुई सड़क ,जलभरव के कारण आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : एक ओर जहां नगर निगम जल भराव से निपटने के दावे कर रहा है वहीं, शुक्रवार सुबह हुई बारिश ने निगम के सभी दावों की पोल खोलकर रख दी। करीब डेढ़ घंटे तक चली बारिश के दौरान पूरा शहर पानी-पानी हो गया। जगह-जगह नालियां चौक होने के कारण सड़कों पर जल भराव की स्थिति देखने को मिली। जबकि, कुछ दिनों पर मानसून की वर्षा जारी रहेगी।

वर्षाकाल से पूर्व शहर में नालियों की सफाई की जाती है। जिससे वर्षा के दौरान जल भराव की स्थिति पैदा न हो। लेकिन, कोटद्वार निगम नालियों की सफाई के नाम पर केवल खानापूर्ति ही कर रहा है। हालत यह है कि वर्षाकाल से मात्र एक सप्ताह पूर्व ही शहर में नालियों की सफाई का कार्य प्रारंभ किया गया।

कोटद्वार के देवी रोड में हुआ जल भराव

नतीजा, शुक्रवार को हुई बारिश के दौरान कई स्थानों पर जल भराव की स्थिति देखने को मिली। देवी रोड, मानपुर, आमपड़ाव सहित अन्य स्थानों पर सबसे बुरी स्थिति बनी हुई थी। देवी रोड में जल भराव के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रति वर्ष नाली सफाई के नाम पर नगर निगम केवल खानापूर्ति करता है। कई स्थानों पर नालियों से मलबा निकालने के बाद उसे मौके पर ही छोड़ा गया है। जिससे वह दोबारा नाली में ही गिर रहा है।

शहरवासी भी दिख रहे लापरवाह

वर्षाकाल में जल भराव से सबसे अधिक परेशानी होती है। कई स्थानों पर नगर निगम नालियों की सफाई कर देता है। लेकिन, आसपास के लोग अपने घरों से निकलने वाला कूड़ा नाली के अंदर डाल देते हैं। जिससे वर्षाकाल में पानी की निकासी नहीं हो पाती और जलभराव होने लगता है।

नगर निगम आमजन को कई बार नाली में कूड़ा न डालने की भी चेतावनी दे चुका है।

नाली से हटाया जाएं अतिक्रमण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सरोजनी देवी लोक विकास समिति के अध्यक्ष और सुमन मार्ग निवासी राजेंद्र सिंह नेगी ने शुक्रवार को सुमन मार्ग की नाली पर हुए अतिक्रमण को हटाने की मांग की है। कहा कि इस कारण बरसात के मौसम में मोहल्ले में जल भराव का खतरा है।इस संबंध में शुक्रवार को उपजिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में उन्होंने कहा है कि मोहल्ले से गुजर रही नाली को एक परिवार द्वारा सीमेंट से पाट दिया गया है।

इस कारण बरसाती पानी की निकासी रुकने का खतरा है। कहा कि मोहल्ले के चारों तरफ से दीवारों से घिरने के कारण यहां बरसाती पानी रूक जाता है, वहीं निकासी के लिए एकमात्र नाली को एक परिवार द्वारा सीमेंट से पाट दिया गया है। कहा कि इस संबध में नगर निगम के अधिकारियों को अवगत कराने के बाद भी कोई कार्रवाई नही हो पाई है। ज्ञापन में उन्होंने उपजिलाधिकारी से इस संबध में निगम अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई करने के लिए निर्देशित करने की मांग की है।

उपतहसील को अन्यत्र शिफ्ट किए जाने का किया विरोध

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः स्यूंसी उपतहसील को पर्यटन अतिथि गृह बीरोंखाल शिफ्ट किए जाने पर ग्रामीणों ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि ग्रामीणों के हित को देखते हुए शासन-प्रशासन को अपना निर्णय वापस लेना चाहिए। यदी जल्द ही इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो ग्रामीण आंदोलन को मजबूर होंगे।

आक्रोशित स्यूंसी, बैजरो, जोगीगढ़ी, फरसाड़ी क्षेत्र के ग्रामीणों ने स्यूंसी उपतहसील में पहुचंकर शासन-प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने कहा कि चार वर्ष पूर्व थलीसैंण तहसील से बीरोंखाल उप तहसील बनाई गई थी, जिसका कार्यालय स्यूंसी के कन्या विद्यालय में खोला गया। स्यूंसी में उपतहसील खुलने से जनता को बेहतर लाभ मिल रहा था। लेकिन, वर्तमान में उक्त उपतहसील को पर्यटन अतिथि गृह बीरोंखाल में शिफ्ट किया जा रहा है। शासन-प्रशासन के इस निर्णय से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। कहा कि जिस पर्यटक अतिथि गृह में उप तहसील को शिफ्ट किया जा रहा है, वहां सुविधाओं का अभाव है। उक्त भवन में न ही बिजली है और न ही पानी की व्यवस्था की गई है।

ऐसे में उप तहसील को शिफ्ट करना गलत है। प्रदर्शन के बाद ग्रामीणों ने प्रभारी नायब तहसीलदार विनोद रावत के माध्यम से शासन को भी पत्र भेजा। कहा कि यदि उप तहसील को शिफ्ट करने का निर्णय वापस नहीं लिया गया तो ग्रामीण आंदोलन को मजबूर होंगे। इस मौके पर यशपाल नेगी, लक्ष्मी देवी, दीपा देवी, ध्यान पाल गुसाईं, दर्शन सिंह कंडारी आदि मौजूद रहे।

लाखों की धोखाधड़ी करने वाला साइबर ठग जयपुर से गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पौड़ी पुलिस ने 02 लाख 46 हजार की साइबर धोखाधड़ी करने वाले अन्तर्राज्यीय गैंग के साइबर ठग को जयपुर से गिरफ्तार किया है। गैंग के सदस्य इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर ऐप को डाउनलोड कराकर कम धन इन्वेस्ट कराकर अधिक धन कमाने का लालच देकर साइबर धोखाधड़ी से मोटी रकम ऐंठते हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 26 मार्च को वादिनी श्रीमती रिंकी देवी निवासी ग्राम पालकोट, थाना लैंसडाउन, जनपद पौड़ी गढ़वाल ने थाना लैंसडाउन पर शिकायती प्रार्थना पत्र दिया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने इंस्टाग्राम से एलग्रो एप डाउनलोड करा कर 499/- रूपये इन्वेस्ट कर 18,000/- रूपये देने का झांसा देकर 2,46,000/- रूपये की ऑनलाइन साइबर धोखाधड़ी की है। इस शिकायती प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना लैंसडाउन में आईपीसी की धारा-420 भादवि बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया। पुलिस टीम द्वारा ठोस साक्ष्य संकलन व कुशल सुरागरसी पतारसी कर विभिन्न प्रदेशों में दबिश देकर अथक प्रयासों से उक्त अभियोग में संलिप्त अभियुक्त रवि भार्गव पुत्र ललित भार्गव निवासी रागमगढ़ सैकावटी, थाना रामगढ़, जिला सिकर, राजस्थान। हाल निवासी भार्गव मौहल्ला, महेश नगर, जयपुर, राजस्थान को गत गुरूवार को जयपुर, राजस्थान से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है। अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस लगातार प्रयासरत है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक कमलेश शर्मा प्रभारी सीआईयू, वरिष्ठ उपनिरीक्षक मुकेश भट्ट, मुख्य आरक्षी गोपाल, आरक्षी आदित्य वर्मा, अमरजीत आदि शामिल थे।

सोशल मीडिया पर मित्र के नाम पर लाखों की ठगी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पुलिस के जागरूक करने के बाद भी क्षेत्र में साइबर अपराध थमने का नाम नहीं ले रहा। शिवपुर क्षेत्र में एक युवक से सोशल मीडिया में मित्र के नाम पर लाखों की ठगी का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में युवक की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है।

कोतवाली में दी गई तहरीर में शिवपुर निवासी गणेश प्रसाद ने कहा कि छः जून की शाम उन्हें फेसबुक मैसेंजर पर मेरे एक मित्र के नाम से मैसेज आया। अज्ञात ने उनसे व उनके मित्र से धनराशि की मांग की। उन्होंने तीन अलग-अलग खातों में गूगल-पे के जरिए 1,19,490/- रूपए की धनराशि भेजी। तहरीर में कहा गया है कि उन्हें बात में इस बात का आभास हुआ कि उनसे ठगी हुई है। कोतवाली प्रभारी मणिभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि दी गई तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया गया है।

मूल निवास व सशक्त भू-कानून को लेकर किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रदेश में मूल निवास व सशक्त भू-कानून लागू करने की मांग को लेकर सतपुली में प्रदर्शन किया गया। ग्रामीणों ने सरकार से जल्द ही भू-कानून व मूल निवास को लागू करने की मांग उठाई। कहा कि पहाड़ को बचाने के लिए जल्द ही इस ओर ध्यान दिया जाना चाहिए।

शुक्रवार को ग्रामीण हनुमान मंदिर में एकत्रित हुए। यहां से उन्होंने सतपुली बाजार में रैली निकाली। हाथों में तख्तियां पकड़े लोगों ने सरकार से प्रदेश में भू-कानून व मूल निवास को लागू करने की मांग उठाई। व्यापार मंडल के अध्यक्ष जयदीप नेगी ने कहा कि प्रदेश की तरक्की के लिए मूल निवास व सशक्त भू-कानून को लागू करना आवश्यक है। प्रदेश में मूल निवास प्रमाण पत्र निर्गत किए जाने की व्यवस्था की जाए। मूल निवास प्रमाण पत्र को ही वैधानिक मान्यता प्रदान की जाए। उत्तराखंड में सख्त भू-कानून न होने से बाहरी प्रदेशों के भू-माफिया औने-पौने दामों में जमीनों की खरीद-फरोख्त कर रहे हैं, जिससे मूल निवासियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। कहा कि प्रदेश में पेपर लीक व सरकारी नौकरी की परीक्षाओं में धांधली हो रही है, जिसे रोकने के लिए सख्त कानून बनाए जाने की जरूरत है। क्षेत्रीय जन खैरासैंण में नवनिर्मित महाविद्यालय में शिक्षण कार्य शुरू करवाए जाने, लवाड़ मल्ला में स्वीकृत सैनिक विद्यालय का निर्माण कार्य शुरू करवाए जाने, चौमासूधार में निर्मित पालीटेक्निक भवन में नियमित कक्षाएं शुरू किए जाने, सतपुली के आसपास के विकासखंडों के गांवों को सतपुली तहसील में शामिल किए जाने, सतपुली-सिसल्डी मोटर मार्ग से राजकीय इंटर कालेज कांडाखाल मोटर मार्ग का निर्माण, सतपुली मल्ली में नगर पंचायत का अतिरिक्त कार्यालय खोले जाने की मांग की है। इस मौके पर सुमित रावत, मनीष खुगशाल, थामेश्वर कुकरेती, तीरथ राही, हरी प्रधान, विकास रावत, नितिन ममगाई, मोहन लाल धस्माना, कमल नेगी, डब्बल मिंया, इंद्रजीत असवाल सहित कई अन्य मौजूद रहे।

भू-कानून व मूल निवास को लेकर प्रदर्शन करते सदस्य

30 जून को मुख्यमंत्री के आवास का घेराव करने की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : चिन्हीकरण के लिए लंबित आवेदनों का निस्तारण नहीं होने सहित अन्य समस्याओं पर उत्तराखंड राज्य सेनानी मोर्चा ने रोष व्यक्त किया है। मांगों का निस्तारण न होने से आक्रोशित राज्य आंदोलनकारियों ने 30 जून को मुख्यमंत्री आवास के घेराव की चेतावनी दी है। शुक्रवार को क्षेत्र के राज्य आंदोलनकारी मोर्चा अध्यक्ष महेंद्र सिंह रावत के नेतृत्व में तहसील में एकत्रित हुए। यहां उन्होंने उपजिलाधिकारी के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को मांगों से संबधित ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में कहा गया है कि राज्य निर्माण के लंबा समय बीतने के बाद भी आंदोलनकारियों की मांगों का निस्तारण नहीं हो पाया है, इस कारण आंदोलनकारियों में रोष व्याप्त है। ज्ञापन में राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण के लिए लंबित आवेदनों का निस्तारण करने, विधानसभा में पास राज्य निर्माण आंदोलनकारी विधेयक को राज्यपाल से संस्तुति करवाकर शीघ्र लागू करने, आंदोलनकारियों को एक समान पेंशन देने और सरकार से मुजफ्फरनगर कोर्ट व नैनीताल हाईकोर्ट में 1994 में हुए मुजफ्फरनगर कांड की पैरवी करने की मांग की गई है। चेतावनी दी गई है कि इन मांगों का शीघ्र निराकरण न होने की स्थिति में राज्य आंदोलनकारी 30 जून को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने पर मजबूर होंगे। ज्ञापन प्रेषित करने वालों में गुलाब सिंह रावत, अर्चना दुदपुड़ी, प्रवेंद्र सिंह, शशिकांत, मुकेश कबटियाल, नंदकिशोर डबराल, राम कुमार माहेश्वरी और बलवंत सिंह सहित अन्य राज्य आंदोलनकारी शामिल रहे।

प्रशासन के माध्यम से सरकार को ज्ञापन भेजते आंदोलनकारी

विधायक कंडारी ने किया मोटरमार्ग का शिलान्यास

श्रीनगर गढ़वाल : देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्रांगर्त भुवनेश्वरी मंदिर चाका पिछवाड़ा से नौली तोक होते हुए मोटरमार्ग का नवनिर्माण कार्य का शुक्रवार को क्षेत्रीय विधायक विनोद कंडारी ने शिलान्यास किया।

कार्यक्रम में विधायक विनोद कंडारी ने कहा कि राज्य योजना के अंतर्गत भुवनेश्वरी मंदिर चाका पिछवाड़ा से नौली तोक होते हुए नगर तक 5 किलोमीटर मोटरमार्ग का नवनिर्माण 1 करोड़ 72 लाख 35 हजार रूपये की लागत से पूर्ण किया जायेगा।

कहा कि देवप्रयाग विस क्षेत्र का अब ऐसा कोई गांव नहीं होगा जो सड़क से अच्छादित न हो। कहा कि वह जनता की हर एक समस्या को गंभीरता से लेते हुए उसका निस्तारण करने को प्रयासरत है। इस मौके पर निर्माणदायी संस्था लोक निर्माण विभाग कीर्तिनगर के अधिशासी अभियंता डीपी आर्य सहित आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

अफसर आपसी समन्वय से कार्य करें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने वर्चुअल माध्यम से स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवेशन प्राधिकरण (सारा) की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि वर्षा जल को संरक्षित कर नदियों एवं जलस्रोतों के पुनर्जीवन के लिए आमजन में जन जागरूकता सहित सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने इस दिशा में तेजी से कार्य करने पर जोर दिया, जिससे जल संसाधनों का संरक्षण और पुनर्जीवन सुनिश्चित किया जा सके।

शुक्रवार को आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सूख चुके और जिनकी सूखने की संभावना है ऐसे जल्स्रोतों, नदियों एवं जलधाराओं की शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में कार्य प्रगति पर है उनकी जियो टैग सहित फोटोग्राफ प्रस्तुत करें तथा जहां कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है वहां जल्द कार्य शुरू करें। उन्होंने जिला पंचायत, जलागम, नगर निकाय, समस्त खंड विकास अधिकारियों को एक सप्ताह में जल स्त्रोतों से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ऐसे नौलों में साफ-सफाई के साथ ही पौध रोपण भी किया जाना है। बैठक में वन विभाग, जलागम, विभिन्न खंड विकास अधिकारी, जल संस्थान, जल निगम सहित अन्य विभागों के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित थे।

चंडिका देवी यात्रा की तैयारियां शुरू

चमोली : सात सितंबर से आयोजित होने वाली राजराजेश्वरी चंडिका देवी की भ्रमण यात्रा की बैठक मंदिर परिसर सिमली में संपन्न हुई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि सिमली, सेनू, जाख, सुदंरगांव, कोली, पुड़ियाणी तथा गैरोली गांवों से उप समितियों का गठन कर सदस्य चयनित किये जाएंगे। मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत टकोला, मलक नेगी, देवेंद्र नेगी व इंद्रसिंह नेगी ने कहा कि देवरा यात्रा की तैयारियां शुरु हो गई हैं।

इस मौके पर मंदिर के पुजारी प्रदीप गैरोला, मनोज पुंडीर, महिपाल सिंह, बलवीर सिंह, मंगल सिंह, गोपाल सिंह, दयाल सिंह, देवेंद्र बिष्ट आदि थे। (एजेंसी)

अफसर आपसी समन्वय से जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य करें

डीएम ने ली स्प्रिंग एंड रिवर रिज्यूविनेशन अथॉरिटी की बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : प्राकृतिक जल स्त्रोत नौले-धारे और नदियों के जल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने शुक्रवार को स्प्रिंग एवं रिवर रिजुविनेशन प्राधिकरण और कैच द रैन कार्यों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी संबधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर लक्ष्य निर्धारित करते हुए एकीकृत योजना के साथ जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य करना सुनिश्चित करें। ऐसे क्षेत्र जहां पर पानी के स्त्रोत सूख रहे है या पानी की कमी रहती है, वहां विशेष फोकस कर एकीकृत प्रोजेक्ट तैयार किया जाए। मनरेगा से कन्वर्जेंस करते हुए गाड-गदेरों में चैक डैम बनाए जाए। डीएम ने कहा कि वर्षा जल संरक्षण के लिए भी विभागीय स्तर पर लक्ष्य निर्धारण करते हुए सघन वृक्षारोपण, खंती, चाल-खाल, चेकडैम एवं अन्य जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण किया जाए। परियोजना निदेशक आनंद सिंह ने बताया कि स्प्रिंगशेड एंड रिवर रिजुवनेशन अथॉरिटी (सारा) के अंतर्गत जिला स्तर पर प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जल संस्थान को नोडल विभाग बनाया गया है। जल संस्थान द्वारा इसकी कार्य योजना तैयार की गई है। जल संस्थान, जल निगम, सिंचाई, वन एवं अन्य विभागों के सहयोग से प्रत्येक विकासखंड में 10-10 प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संवर्धन के कार्य किए जा रहे है। कैच द रैन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में इस वर्ष 10.68 लाख प्लांटेशन, 1.43 लाख ट्रेंच निर्माण, 1351 चाल-खाल, 4752 चेकडैम एवं 936 अन्य जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ग्राम स्तर पर मनरेगा के अंतर्गत 76 जल स्त्रोत और पंचायती राज विभाग से 45 जल स्त्रोतों का उपचार किया जा रहा है। ब्लॉक स्तर पर मनरेगा से 45, पंचायती राज से 45 तथा वन विभाग से 33 जल स्त्रोतों का संवर्धन का लक्ष्य है। वहीं जनपद स्तर पर मनरेगा से 10, लघु सिंचाई से 20, सिंचाई से 10 तथा उद्यान से 25 जल स्त्रोतों के संवर्धन हेतु कार्य किया जा रहा है। बैठक में डीएफओ सर्वेश कुमार दुबे, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, मुख्य कृषि अधिकारी वीपी मौर्य, मुख्य उद्यान अधिकारी तेजपाल सिंह, ईई जल निगम वीके जैन, ईई जल संस्थान एसके श्रीवास्तव सहित वर्चुअल माध्यम से सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

द्रोणागिरी पहुंचने के लिए पोलिंग पार्टी को चढ़नी होगी 10 किमी. की खड़ी चढ़ाई

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : बद्रीनाथ विधानसभा उप चुनाव के लिए 210 पोलिंग बूथ बनाए गए है। इस बार कुछ बूथ ऐसे है, जहां पहुंचने के लिए पोलिंग पार्टियों को पैदल ट्रैक करना पड़ेगा। ऐसा ही एक गांव है द्रोणागिरि, जो समुद्र तल से करीब 12 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है और सबसे ऊंचाई पर स्थित पोलिंग बूथ भी है। द्रोणागिरि बूथ तक पहुंचने के लिए पोलिंग पार्टी को गोपेश्वर मुख्यालय से करीब 100 किलोमीटर वाहन से सफर करने के बाद जुम्मा पहुंचना होगा। यहां से 10 किलोमीटर की खडी चढ़ाई पार करते हुए पोलिंग के लिए द्रोणागिरी गांव पहुंचना होगा।

द्रोणागिरि भोटिया जनजाति का गांव है। समुद्र तल से करीब 12 हजार फीट

की ऊंचाई पर बसे इस गांव में करीब 115 परिवार रहते हैं। सर्दियों में द्रोणागिरि गांव में इतनी बर्फबारी होती है कि यहां रुकना काफी मुश्किल भरा होता है। ऐसे में यहां के लोग अक्टूबर के दूसरे-तीसरे हफ्ते तक चमोली शहर के आस-पास बसे अपने अन्य माइग्रेटड स्थानों पर आ जाते हैं। इसके बाद मई में जब बर्फ पिघल जाती है, तब एक बार फिर से द्रोणागिरि गांव आबाद होता है। तब गांव के लोग यहां वापस लौट आते हैं। उत्तराखंड राज्य गठन के बाद पहली बार सीमांत नीती-माणा घाटी के 3838 माइग्रेट मतदाता अपने मूल गांव में ही मतदान करेंगे। इसी के मध्येनजर प्रशासन ने नीती-माणा घाटी में नौ पोलिंग बूथ बनाए है। जिसमें द्रोणागिरि, मलारी, कैलाशपुर, गमशाली, जेलम, कोषा, जुम्मा, नीती और माणा शामिल है। पोलिंग बूथ संख्या 64-द्रोणागिरि में 368 मतदाता है, जिसमें 191 पुरुष और 177 महिला मतदाता शामिल है। बद्रीनाथ विधानसभा के लिए 10 जुलाई 2024 को मतदान होगा। ऐसे में अपने मूल गांव में मतदान को लेकर स्थानीय मतदाताओं में काफी उत्साह बना हुआ है।

शराब की दुकान हटाने की उठाई मांग

नई टिहरी : पीजी कालेज नई टिहरी के छात्रसंघ अध्यक्ष युवराज सिंह ने शुक्रवार को डीएम मयूर दीक्षित को ज्ञापन सौंपकर बौराड़ी नगर में राजमार्ग से लगे अंग्रेजी शराब के ठेके को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की है।

ऐसा न करने पर नगर वासियों के साथ आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है।

युवराज का कहना है कि नगर के बीचों-बीच राजमार्ग पर अवस्थित शराब की दुकाने से पूरे बाजार का माहौल खराब हो रहा है। प्रशासन से बार-बार की शिकायत के बाद भी शराब की दुकान को हटाया नहीं जा रहा है। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मुरादाबाद मंडल के हरिद्वार स्टेशन पर "Contract for packing of two wheeler and other parcel packing service near outward parcel shed" 3 साल हेतु ई-नीलामी के तहत **दिनांक 15.07.2024 टाइम** 10:00 am **को बोली www.ireps.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाएंगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें वेबसाइट पर ही उपलब्ध हैं।**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट उ.रे., मुरादाबाद

1965/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मुरादाबाद मंडल के बरेली तथा मुरादाबाद स्टेशन के क्लॉक रूम को **5 साल** के लिए संचालन और रखरखाव हेतु ई-नीलामी के तहत **दिनांक 15.07.2024 (टाइम 10:30 am)** को बोली आमंत्रित करने की जानी है। ई-नीलामी www.ireps.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाएंगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट उ.रे., मुरादाबाद

1967/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/समन्वय द्वारा ई-टेंडर जिनके बंद होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किए जाएंगे। निम्नलिखित टेंडर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेंडर संख्या/दिनांक	60-DRM-MB-24-25 Date: 27.06.2024			
कार्य का नाम	Providing 4G GPS tracker based personal tracking device with 4G (M2M) SIM, along with 2 Man Power with operation & maintenance for a period of 2 years over Moradabad Division. (4G SIM having facility to switch over lower 2G/3G network when 4G network is not available).			
टेंडर क्लोजिंग दिनांक/समय	23.07.2024 (16:00 hrs.)			
अनुमानित लागत	₹78,42,331.63			
धरोहर राशि	₹1,56,900.00	निविदा फॉर्म की लागत	NIL	
बिडिंग आरंभ तिथि	09.07.2024	कार्य पूर्ण करने की अवधि	24 माह	

सं.: 75-W/2/3/WA/DEN/Track/T.Notice दिनांक: 28.06.2024 1964/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नजर

नीट में धांधली पर एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन

देहरादून। एनएसयूआई ने शुक्रवार को नीट में धांधली को लेकर गांधी पार्क में केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने इस दौरान हस्ताक्षर अभियान भी चलाया। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विकास नेगी में यह अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। पहले नीट यूजी का पेपर लीक होता है और उसके बाद यूजीसी नीट के पेपर में धांधली होती है। यह दोनों परीक्षाएं इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यह दोनों परीक्षाएं युवाओं के भविष्य से जुड़ी हैं। एक परीक्षा से देश को प्रोफेसर और दूसरी से डॉक्टर मिलते हैं। उन्होंने परीक्षा में धांधली करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

टीबी और एड्स से बचाव की जानकारी दी गई

देहरादून। विकास भवन सभागार में शुक्रवार को जिला सामुदायिक संसाधन एवं जिला टीबी फोरम समिति की बैठक हुई। इसमें टीबी और एड्स से बचाव के लिए जागरूकता पर जोर दिया गया। बैठक का आयोजन सीडीओ झरना कमठान की अध्यक्षता में हुआ। इस मौके पर जिला क्षय रोग अधिकारी एवं नोडल अधिकारी डॉ. मनोज वर्मा ने एचआईवी और टीबी से बचाव के लिए जागरूकता को जरूरी बताया। इस मौके पर डॉ. अनुराग अग्रवाल, डॉ जेपी नौटियाल, संजय बिष्ट, हेमंत खर्कवाल, हेमलता बहन, किरन थापा, किरन असवाल, गणेश भारद्वाज, अंकुर नेगी, शेखर सैनी आदि मौजूद रहे।

अग्निशमन का प्रशिक्षण दिया

देहरादून। नागरिक सुरक्षा देहरादून की ओर से शुक्रवार को विवेकानंद नेत्रालय राजपुर रोड में एक दिवसीय अग्निशमन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन आम जन मानस में नागरिक सुरक्षा संगठन की छवि को बेहतर बनाने और उनको अग्निशमन का प्रशिक्षण देने के लिए किया गया। इस मौके पर नागरिक संरक्षा के डिप्टी कंट्रोलर श्यामेंद्र कुमार साहू, सुरेश कुमार रवि, लोकेश गर्ग, आनंद गुसाईं, विनोद साहू, नरेंद्र पंवार, पंकज जोशी, नासिर खान, राजेंद्र प्रसाद, पृथ्वीराज क्षेत्री, राधेश्याम, विजयपाल बंगारी, प्रमोद कुमार राणा, अजय थापा आदि मौजूद रहे।

विनसर वनाग्नि दुर्घटना में शहीद वनकर्मियों के परिजनों को मदद की मांग

देहरादून। उत्तराखंड वन बीट अधिकारी/वन आरक्षी संघ के प्रांतीय पदाधिकारियों ने प्रमुख वन संरक्षक(हॉफ) डॉ.धनंजय मोहन से मुलाकात कर विनसर में वनाग्नि दुर्घटना में शहीद हुए वन कर्मचारियों के परिजनों को मदद देने की मांग की है। वन वीट अधिकारी संघ हर्षवर्द्धन गडिया ने बताया कि संघ की अन्य मांग वन दरोगा के पद पर शत प्रतिशत पदोन्नति के लिए नियमावली संशोधन का प्रस्ताव शासन को भेजने, आहार भत्ता, आवास भत्ता, एक माह का अतिरिक्त वेतन, दस वर्ष पूर्ण कर चुके वन आरक्षियों को एसीपी का लाभ देने के लिए अपने स्तर पर कार्यवाही का निवेदन किया गया। प्रमुख वन संरक्षक ने सभी मांगों को पूर्ण करने का आश्वासन दिया। मौके पर महामंत्री काक्षा कश्यप, वरिष्ठ संयुक्त मंत्री अतुल भगत, अनुज काम्बोज, नंदा प्रसाद आदि मौजूद रहे।

बीएससी फाइनल वर्ष के परीक्षा परिणाम जारी करने की मांग

देहरादून। एसजीआरआर पीजी कालेज के छात्रों ने बीएससी फाइनल वर्ष का परीक्षा परिणाम जल्द जारी करने की मांग को लेकर हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केन्द्रीय विवि के लोकपाल को ज्ञापन प्रेषित किया है। छात्रों ने बताया कि उनकी परीक्षा छह जून को सम्पन्न हुई थी। लेकिन अभी तक प्रेक्टीकल नहीं हो पाए हैं। 21 जून से 20 जुलाई तक ग्रीष्मावकाश है। छात्रों ने आगे की पढ़ाई के लिए अन्य कोर्स में दाखिला लिया है। जहां बीएससी फाइनल की मार्कशीट जमा करने की अंतिम तिथि 25 जुलाई है।

स्वच्छता और पौधरोपण अभियान चलाया

देहरादून। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (क्षेत्र संकार्य प्रभाग) क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून में चल रहे स्वच्छता पखवाड़े में शुक्रवार को स्वच्छता और पौधरोपण अभियान चलाया गया। कार्यालय प्रमुख अजित कुमार एन, उप–महानिदेशक शुभम त्रिपाठी, सहायक निदेशक एवं कार्यालयाध्यक्ष संजय रतूड़ी, श्वेता शर्मा, गौरव दूबे, नवीन कुमार, केंद्रीय विद्यालय प्रधानाचार्य संजय कुमार, उप–प्रधानाचार्य पायल लाल, कला अध्यापक कहकशां ने स्वच्छता अभियान में भागीदारी निभाई।

आज दिव्यांगजन व 85 प्लस के वरिष्ठजन करेंगे अपने मताधिकार का प्रयोग

आज प्रातः 7 बजे होम वोटिंग के लिए पार्टियां होंगी रवाना

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : विधानसभा उप चुनाव में सभी की मतदान सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने 85 प्लस के वरिष्ठजनों व दिव्यांगजनों को होम वोटिंग की सुविधा दी है। बद्रीनाथ विधानसभा उपचुनाव में 27 दिव्यांगजनों व 114 85 प्लस के वरिष्ठ जनों ने होम वोटिंग के आवेदन किया है।

शुक्रवार को पीजी कॉलेज गोपेश्वर में होम वोटिंग के लिए बनायी गयी 25 टीमों के लिए रिजर्व सहित 30 मतदान अधिकारियों, 30 सेक्टर मजिस्ट्रेटों व 30 माइक्रो ऑब्जर्वर को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनरों ने होम वोटिंग कराने हेतु तैनात सभी टीमों को उनके कार्य एवं दायित्वों से अवगत कराया और होम वोटिंग कराने की प्रक्रिया व विविध प्रपत्रों के संधारण करने एवं पैकेटिंग के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गयी। साथ ही मतदान की गोपनीयता विशेष ध्यान रखने को कहा। इस दौरान, सहायक नोडल ट्रैनिंग आनन्द सिंह, अभिनव नौटियाल, एपी डिमरी, मनोज तिवारी, जयदीप झिंक्वाण, दिगपाल रावत, खीम सिंह कंडारी, के.सी पंत मौजूद रहे।

एलआईसी के कर्मचारियों ने एथलेटिक्स में दिखाया दम

देहरादून। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में शुक्रवार को एलआईसी की उत्तर–मध्य क्षेत्रीय एथलेटिक्स और वॉलीबाल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में एलआईसी के विभिन्न प्रदेशों के मंडलों की टीमें हिस्सा लेने पहुंची हैं। सुबह सर्वप्रथम उत्तर मध्य क्षेत्र के खिलाड़ियों ने अपने–अपने मंडलों का प्रतिनिधित्व करते हुए मार्च पास्ट किया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ मंडल प्रबंधक आलोक गुप्ता ने सलामी ली। उन्होंने कहा कि एलआईसी अपने राष्ट्रीय और सामाजिक सरोकारों के निर्वहन के क्रम में खेलों को भी निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है। कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी एलआईसी में सेवारत हैं। संस्था खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर प्रदान करती है, ताकि उनके द्वारा अपनी खेल प्रतिभा को निखारा जा सके। प्रादेशिक प्रबंधक (मानव संसाधन) नवीन कुमार ने विभिन्न मंडलों से आए खिलाड़ियों का स्वागत किया।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका :कुसुम कंडवाल

देहरादून। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय परिसर देहरादून में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत आयोजित सात दिवसीय पूर्णकालिक शिविर के समापन मुख्य अतिथि महिला आयोग अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका है, यदि युवा कमजोर होगा तो राष्ट्र कमजोर होगा। आयोग अध्यक्ष ने युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए कहा कि, सोशियल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

इस संबंध में परिवारों को केंद्र बिन्दु बनाकर समस्या का निराकरण कर परिवार को सुदृढ़ बनाया जाना चाहिए। मुख्य वक्ता यूसीएफ की एमडी रमेंद्री मंद्रवाल ने कहा कि परमात्मा ने हमें अमूल्य जीवन दिया है। इसे सार्थक बनाते हुए हमें हर जीवात्मा की सेवा करनी चाहिए। मुक्त विवि के प्रभारी निदेशक व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुभाष रमोला एनएसस के स्वयं सेविकों के सेवा भाव की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि एनएसएस का मुख्य उद्देश्य ही छात्रों में समाज सेवा की भावना को जागृत करना है। शिविर समापन समारोह में प्रतिभागी स्वयं सेवी आमिर सिद्दिकी, करिश्मा रावत ने शिविर के अनुभव सुनाए। प्रतिभागी स्वयं सेवियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर सहायक कार्यक्रम अधिकारी डॉ. भावना डोभाल, नरेंद्र जगुडी, सहायक क्षेत्रीय निदेशक अनिल कन्डारी, सहायक क्षेत्रीय निदेशक गोविन्द सिंह रावत, बृजमोहन खाती, अरविन्द कोटियाल, अजय कुमार सिंह, सीबी पोखरियाल, सुनील नेगी, चेत बहादुर थापा उपस्थित रहे।

ठेका कर्मचारियों को लूट रहे जल संस्थान के ठेकेदार

देहरादून। जल संस्थान के ठेका कर्मचारियों ने समय पर वेतन न मिलने और अधूरा वेतन मिलने का आरोप लगाते हुए मुख्यालय में विरोध जताया। शुक्रवार को जल भवन नेहरू कालोनी में सीजीएम नीलिमा गर्ग के समक्ष विरोध जताया। श्रम मानकों के अनुरूप पूरा वेतन देने की मांग की। उत्तराखंड जल संस्थान संविदा श्रमिक संघ ने जल संस्थान में ठेका सिस्टम को सवाल उठाए। अध्यक्ष संजय कुमार ने कहा कि पूरे प्रदेश भर में ठेका कर्मचारी परेशान हैं। कर्मचारियों को समय पर वेतन का भुगतान नहीं किया जाता। छह छह महीने के इंतजार में वेतन का भुगतान होता है। वो भी पूरा भुगतान नहीं किया जाता। छह महीने में कभी दो महीने तो कभी तीन महीने का भुगतान किया जाता है। उसमें भी जो वेतन जल संस्थान की ओर से तय किया गया है, वो भी पूरा नहीं दिया जाता। श्रम मानकों के अनुसार वेतन देने को लेकर लंबे समय से दबाव बनाया जा रहा है, लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। महामंत्री मंगलेश लखेड़ा ने कहा कि ईएसआई, ईपीएफ कटौती में भी गड़बड़ी कर लाभ नहीं दिया जा रहा है। अल्प वेतन के बावजूद एक एक आदमी से चार चार आदमी के बराबर काम लिया जाता है। कहा कि ठेकेदारों के उत्पीड़न से ठेका कर्मचारी परेशान हैं। जबकि धरातल पर यही ठेका कर्मचारी पूरे पेयजल सिस्टम को संभाले हुए हैं। जल्द पूरा लाभ न मिलने पर आंदोलन किया जाएगा। सीजीएम नीलिमा गर्ग ने आश्वासन दिया कि ठेकेदारों पर नकेल कसी जाएगी। कर्मचारियों को समय पर वेतन का भुगतान हो, ये सुनिश्चित कराया जाएगा।

नगर निगम देहरादून द्वारा नालों एवं नालियों की सफाई निरंतर गतिमान

देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका द्वारा आगामी मानसून काल के दृष्टिगत नगर निगम, नगर पालिका परिषद के अधिकारियों को नालों, नालियों की सफाई के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में नगर निगम देहरादून द्वारा नालों एवं नालियों की सफाई निरंतर गतिमान है। आजगोविन्दगढ़ से दुर्गा डेयरी, ,चंद्रमणि शमशानघाट का नाला,रक्षा विहार से चुना भटटा,अहीर मंडी (डोभालवाला), बल्लीवाला से अनुराग चौक, चुक्खुमोहल्ले से कालिका मंदिर, देहरा खास 52 ब्लॉक नाला (पटेल नगर), बकरालवाला, भंडारी बाग से इंद्रेश हॉस्पिटल पुल आदि स्थानों पर उपकरण एवं पर्यावरण मित्रों के माध्यम से नालों एवं परिसरों की सफाई कार्य गतिमान है।

कृषि गणना योजना के द्वितीय एवं तृतीय चरण का प्रशिक्षण कार्यकम सम्पन्न

देहरादून। आज होटल पर्ल एवेन्यू, रिंग रोड, लाडपुर, देहरादून में कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग, भारत सरकार द्वारा राजस्व परिषद उत्तराखण्ड में संचालित कृषि संगणना योजना अन्तर्गत आनन्दबर्द्धन, अपर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड/अध्यक्ष, राजस्व परिषद्, उत्तराखण्ड/कृषि संगणना आयुक्त की अध्यक्षता में भारत सरकार की प्रतिनिधि जागृति गोयल, सहायक निदेशक, भारत सरकार द्वारा कृषि गणना योजना के द्वितीय एवं तृतीय चरण का प्रशिक्षण कार्यकम सम्पन्न हुआ।कृषि संगणना के आंकड़ों को उपयोग विभिन्न हितधारकों द्वारा विकास योजना, सामाजिक आर्थिक नीति निर्माण और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं की स्थापना के लिए किया जाता है। कृषि गणना योजना के द्वितीय चरण में प्रदेश के 20 प्रतिशत राजस्व ग्रामों में सिचिंत एवं असिंचित क्षेत्रफल, जोत के पट्टे की सूचना एवं फसल पैटर्न को के माध्यम से फीड कर डाटा संकलन किया जाता है। कृषि गणना के तृतीय चरण में काश्तकार के परिवार के सदस्यों की संख्या, शिक्षा का स्तर, आयु एवं काश्तकार द्वारा उपयोग किये जाने वाले इनपुट–खाद, रसायनिक उर्वरक, बीज, दवाईयां, कृषि ऋण, कृषि यंत्र आदि की सूचना संकलित की जाती है।कृषि संगणना के मुख्य उद्देश्य प्रचालन जोतों की संख्या एवं क्षेत्रफल की गणना, भूमि उपयोग एवं फसल पैटर्न। सिंचाई एवं काश्तकारी विवरण, अनुसूचित जाति/ जनजाति/ महिला सहित विभिन्न आकार के जोतों का विवरण, कृषि में इनपुट उपयोग के पैटर्न, कृषि संगणना के मुख्य उद्देश्य हैं। उक्त प्रशिक्षण में चन्द्रेश कुमार आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद्/निदेशक कृषि संगणना, शिवकुमार बरनवाल अपर जिलाधिकारी पिथौरागढ़ एवं श्रीमती इला गिरी, अपर जिलाधिकारी पौड़ी, सुरेश चन्द सिंह, सहायक निदेशक (कृषि संगणना) एवं जनपदों से आये सहायक भूलेखाधिकारी, अपर सांख्यिकीय अधिकारी एवं सहायक सांख्यिकीय अधिकारियों, कृषि निदेशालय उत्तराखण्ड एवं राजस्व परिषद् के सांख्यिकी अनुभाग के कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

डीएम अध्यक्षता में हुई जिला सैनिक परिषद त्रैमासिक बैठक

देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में जिला सैनिक परिषद त्रैमासिक बैठक ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में आयोजित की गई।

जिलाधिकारी ने समिति के समस्त सदस्यों तथा ब्लॉक स्तर पर प्राप्त शिकायतों का समिति के संज्ञान में लाएं तथा जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को सम्बन्धित विभागों से समन्वय करते हुए सैनिकों/सैनिक आश्रितों की शिकायतों का निस्तारण करें। उन्होंने समिति के सदस्यों से सुझाव भी मांगे। जिलाधिकारी ने जिला सैनिक कल्याण अधिकारी से सैनिकों से सम्बन्धित विभिन्न शिकायतों एवं उनके निस्तारण की स्थिति जानी, जिस पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बताया कि समिति को प्राप्त अधिकतर शिकायतों का सत्यापन करते हुए निस्तारण की वस्तुस्थिति से सम्बन्धित को अवगत कराया लिया गया है।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी देहरादून ले0कर्नल (अप्रा) वीरेन्द्र प्रसाद भट्ट, मेजर (से.नि) एम.एस नेगी, पीबीआरओ के अध्यक्ष एस.एस बिष्ट, अपर मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी, जिला सेवा योजन अधिकारी अजय सिंह, आईटीबीपी के पीआरओ राजीव नेगी, समाज कल्याण आदि सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों सहित सैनिक कल्याण विभाग के ब्लॉक स्तर पर के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अंकिता ध्यानी ने नेशनल चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

देहरादून। पंचकूला में चल रही 63वीं नेशनल इंटर स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उत्तराखंड की बेटी एथलीट अंकिता ध्यानी ने गोल्ड मेडल जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने 5000 मीटर दौड़ में यह कीर्तिमान बनाया। उत्तराखंड एथलेटिक्स संघ के सचिव केजेएस कलसी ने बताया कि अंकिता ने 16 मिनट 10.31 सेकेंड में अपनी रेस पूरी की। हिमाचल प्रदेश की सीमा और महाराष्ट्र की संजीवनी क्रमशः दूसरे, तीसरे स्थान पर रहे। मूल रूप से पौड़ी जिले की तहसील लैंसडौन के गांव मेरूड़ा निवासी अंकिता कई राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने तेहरान में हुई एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। उनके नाम विभिन्न प्रतियोगिताओं में एक दर्जन से अधिक स्वर्ण, करीब आधा दर्जन रजत और तीन कांस्य पदक है।

कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

देहरादून। कांग्रेस ने उत्तराखंड में हत्या, डकैती, महिला अपराधों के लेकर शुक्रवार को देहरादून में प्रदर्शन किया। पार्टी ने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाने में विफल रही है।

कांग्रेस कार्यकर्ता महानगर अध्यक्ष डा. जसविंदर सिंह गोगी के नेतृत्व में एश्ले हॉल चौक पर पहुंचे और प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

इस दौरान गोगी ने कहा कि भाजपा सरकार अपराध पर काबू करने में पूरी तरह विफल रही है। अंकिता हत्याकांड, महिलाओं के साथ जघन्य अपराध, रवि बडोला हत्याकांड जैसी कई घटनाएं साबित करती हैं कि प्रदेश में अपराधियों के हौंसले बुलंद हैं। कार्रवाई नहीं होने से बाहर से भी अपराधी आकर उत्तराखंड में घटनाओं को बेखौफ अंजाम दे रहे हैं। भाजपा सरकार ने प्रदेश को अपराधियों का अभयारण्य बना दिया है। कांग्रेस कार्यकर्ता अपराध की हर घटना पर पुरजोर विरोध करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार खनन और जमीनों की खरीद फरोख्त पर भी तत्काल रोक लगाए।

इससे आधे अपराध अपने आप ही खत्म हो जाएंगे। मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष पूरण सिंह रावत, प्रदेश महामंत्री गोदावरी थापली, प्रदेश अध्यक्ष एनएसयूआई विकास नेगी, महानगर महिला कांग्रेस अध्यक्ष उर्मिला थापा, सुनील जायसवाल, ललित, मोहम्मद फारूख, मोहन थपली, वीरेंद्र पंवार, आदर्श सूद, शकील मंसूरी, अर्जुन पासी, नदीम अंसारी, इफ्तिखार अहमद, संजय गौतम, अशोक कुमार, बिजेंदर चौहान आदि मौजूद थे।

गैंगरेप–हत्या मामले में आदित्यराज सैनी को झूठा फंसाने का आरोप लगाया

हरिद्वार। किशोरी के गैंगरेप–हत्या के मामले में फंसे भाजपा नेता आदित्यराज सैनी को झूठा फंसाने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को सैनी समाज ने विरोध के स्वर बुलंद किए। एसएसपी कार्यालय का घेराव कर सैनी समाज ने पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराए जाने की मांग की। आरोप जड़ा कि राजनीति के तहत भाजपा नेता को झूठा फंसाया जा रहा है। वहीं, सैनी आश्रम में हुई बैठक में मंगलौर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की खिलाफत करने के साथ–साथ गांव–गांव जाकर पूरे समाज को एकजुट करने की बात पर सहमति बनी। जिलेभर से सैनी समाज से जुड़े लोग भारी संख्या में एकत्र होकर रोशनाबाद में एसएसपी कार्यालय पहुंचे। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल की गैरमौजूदगी में प्रदर्शनकारियों ने कार्यालय का घेराव करते हुए ग्राम प्रधानपति आदित्यराज सैनी को मामले में झूठा फंसाने का आरोप जड़ा। आरोप लगाया कि राजनैतिक द्वेष के चलते ग्राम प्रधानपति को मामले में घसीटा गया है। उनका इस प्रकरण से कोई लेना देना नहीं है। भाजपा नेता की पत्नी ग्राम प्रधान सुरुचि सैनी ने एसएसपी के नाम सौंपे ज्ञापन में पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग उठाई। लिखा कि बहादराबाद पुलिस की जांच से वह संतुष्ट नहीं है और न ही समाज संतुष्ट है। कहा कि राजनैतिक सामाजिक संगठनों के दबाव में किसी बेकसूर को न फंसाया जाए। एसएसपी की गैरमौजूदगी में एसपी अपराध पंकज गैरोला, एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह, एएसपी जितेंद्र मेहरा ने प्रदर्शनकारियों से मुलाकात करते हुए उन्हें समझाने का प्रयास किया जिसके बाद प्रदर्शनकारियों ने सीबीआई जांच को लेकर ज्ञापन सौंपा, फिर वे वापस चले गए। यहां से लौटकर प्रदर्शनकारी सीधे ज्वालापुर में सैनी आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने निर्णय लिया कि दस जुलाई को होने जा रहे मंगलौर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के खिलाफ प्रचार करने के लिए उतरेंगे।

फायरिंग प्रकरण में युवकों पर हत्या के प्रयास का आरोप, मुकदमा दर्ज

हरिद्वार।भेल के सेक्टर एक में खोखा मार्किट में मामूली विवाद को लेकर फायरिंग करने के मामले में रानीपुर कोतवाली पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का दावा है कि घटना में शामिल रहे आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना 26 जून को खोखा मार्किट में घटित हुई थी। पथरी के रेलवे स्टेशन के निकट रहने वाले लवप्रीत सिंह पुत्र रंजित सिंह ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि वह अपने दोस्त खुशप्रीत के साथ खोखा मार्किट पर पहुंचा था। आरोप है कि इसी दौरान वहां मौजूद दो लोग सिगरेट पीने लग गए। उन्हें सिगरेट पीने से इनकार करने पर उन्होंने गाली गलौज करते हुए धक्कामुक्की कर दी और फिर अपनी कार से पिस्टल निकालकर उन पर फायरिंग कर दी,

जिला खेल विभाग ने एसबीपीएस फेंसिंग अकादमी को प्रशिक्षण के लिए चुना

देहरादून। सोशल बलूनी पब्लिक स्कूल(एसबीपीएस)फेंसिंग अकादमी दून में तलवारबाजों की नर्सरी बन गयी है। जिला खेल विभाग ने फेंसिंग के प्रशिक्षण के लिए एसबीपीएस फेंसिंग अकादमी के कोच प्रदीप कोठारी को प्रशिक्षक के तौर पर चुना है। इसके अलावा दून के नवोदित तलवारबाज एसबीपीएस फेंसिंग अकादमी में ही तलवारबाज फेंसिंग के गुर सीखेंगे। एसबीपीएस फेंसिंग अकादमी के तीन खिलाड़ी भानुप्रताप गरिया, वंश राठौर और अक्षत पुंडीर ने बलूनी ग्रुप के प्रबंध निदेशक विपिन बलूनी के नेतृत्व में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के विशेष प्रमुख सचिव आईजी अमित सिन्हा से मुलाकात की। विपिन बलूनी ने आईजी सिन्हा को बताया कि इन तीनों खिलाड़ियों का चयन ब्यायज स्पोर्ट्स कंपनी बीईजी सेंटर रुड़की के लिए हुआ है।

तीनों ही खिलाड़ी एसबीपीएस के छात्र हैं और उनको इसी एकादमी में प्रशिक्षित किया गया है। आईजी अमित सिन्हा ने खेलों के उत्थान में एसबीपीएस के प्रयासों की सराहना की और उम्मीद जतायी कि अकादमी के सभी प्रतिभावान खिलाड़ी स्कूल और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। बता दें कि खेल विभाग देहरादून ने हाल में इस वर्ष 11 जून से 15 मार्च 2025 तक विभिन्न खेलों के लिए कांट्रेक्ट के आधार पर प्रशिक्षकों का चयन किया था।

इसके आधार पर एसबीपीएस फेंसिंग अकादमी कोच प्रदीप कोठारी को जिले के अन्य प्रतिभावान तलवारबाजों को भी प्रशिक्षण देने के लिए चुना गया। प्रशिक्षण स्कूल परिसर में ही दिया जाएगा। उन्होंने इसके लिए जिला क्रीड़ा अधिकारी निधि बिंजोला का आभार जताया।

नाबालिग से गैंगरेप की घटना के खिलाफ महिला कांग्रेस ने एसएसपी कार्यालय घेरा

हरिद्वार। बहादराबाद में नाबालिग के साथ गैंगरेप के बाद हत्या के मामले में महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में शुक्रवार को महिलाओं ने एसएसपी कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह को ज्ञापन भी दिया। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं, बच्चियों के साथ बलात्कार, हत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। जिसके कारण देवभूमि कलंकित हो रही है। अपराधियों में कानून का डर नहीं है। घटनाओं में बीजेपी नेताओं का नाम आ रहा है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली पार्टी के नेता बेटियों के साथ अन्याय कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी शासन में महिलाओं के प्रति अपराध बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए सड़क से

सदन तक संघर्ष किया जाएगा। पुलिस द्वारा आरोपियों को पकड़ा जाता है, लेकिन उन्हें सजा नहीं होती। अंकिता भंडारी को अभी तक न्याय नहीं मिला। पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल है। बीजेपी शासित किसी भी प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। इस अवसर पर उपाध्यक्ष नजमा खान, उदय जैन, महासचिव शशि झा, पूनम सिंह, सुशीला बेलवाल, रेखा ढींगरा, नलिनी दीक्षित, अंशुल त्यागी, गार्गी राय, इमराना परवीन, आशा कोरी, रोशनी कालिया, रचना शर्मा, रश्मि देवरानी, सरोजनी देवी, अनिता बिष्ट, वसुंधरा नैनवाल, नूरजहां, हीरा देवी, शांति देवी, बाला आदि मौजूद रहे।

दुष्कर्म के आरोपी युवक की जमानत अर्जी खारिज

हरिद्वार। एफटीएससी/अपर जिला जज चंद्रमणि राय ने नाबालिग लड़की को भगाकर ले जाने और दुष्कर्म करने के आरोपी युवक की द्वितीय जमानत अर्जी खारिज कर दी है। शासकीय अधिवक्ता भूपेंद्र चौहान ने बताया कि 21 जून 2022 में कनखल क्षेत्र से एक 15 वर्षीय लड़की लापता हो गई थी। काफी तलाश करने के बावजूद लापता लड़की कहीं नहीं मिली। तब पीड़िता के पिता ने स्थानीय पुलिस में अपनी पुत्री को बहला फुसलाकर भगाकर ले जाने का केस दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि आरोपी अर्जुन कश्यप उसकी लड़की को शादी का झांसा देकर अपने साथ भगाकर ले गया है। यही नहीं, आरोपी युवक पर पीड़िता के साथ जबरदस्ती कई बार बलात्कार करने का आरोप लगाया है। करीब छह महीने के बाद स्थानीय पुलिस ने लापता लड़की को आरोपी युवक के कब्जे से बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया था। जहां पीड़ित लड़की ने अपने परिजनों व पुलिस को सारी आपबीती बताई थी। पुलिस ने आरोपी अर्जुन कश्यप पुत्र सुरेंद्र निवासी निकट हनुमान मंदिर छपार, थाना छपार जनपद मुजफ्फरनगर यूपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। स्थानीय पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध दुष्कर्म, पॉक्सो ऐक्ट और अन्य धाराओं में केस दर्ज किया था। फिलहाल, कोर्ट में केस विचाराधीन चल रहा है। जहां अभियोजन पक्ष ने पीड़िता समेत दो गवाह के बयान दर्ज करवा दिए हैं।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com